CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-55
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार, 01 जून 2024

आज का विचार

आपके शरीर की सबसे सुंदर चीज है मन, इसे बुरे विचारों से मैला ना करें

सिंगल कॉलम

सीबीएसई बोर्ड ने जारी की 10वीं, 12वीं की पूरक परीक्षा की तिथियां

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं और 12वीं की पूरक परीक्षा की तिथियों की घोषणा कर दी है। कक्षा 10वीं की पूरक परीक्षाएं 15 जुलाई से शुरू होंगी, जबकि कक्षा 12वीं की पूरक परीक्षाएं 15 जुलाई को एक ही दिन में आयोजित की जाएंगी। बोर्ड ने स्कूलों से कक्षा 10वीं, 12वीं की पूरक परीक्षा के लिए उम्मीदवारों की सूची जमा करने को कहा है और पात्रता मानदंड, शुल्क संरचना, आवेदन करने की प्रक्रिया और जिन विषयों के लिए कंपार्टमेंट परीक्षा आयोजित की जाएगी, उनकी सूची जारी की है। स्कूलों को परीक्षा संगम लिंक के जरिए एलओसी जमा करना होगा। सीबीएसई ने एक आधिकारिक नोटिस में कहा, केवल वे छात्र जिनका नाम ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से जमा किया गया है, उन्हें पूरक परीक्षा, 2024 में बैठने की अनुमति दी जाएगी। बोर्ड ने उन छात्रों से कहा है जो नियमित छात्रों के रूप में 2024 की बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए हैं और जिन्हें कम्पार्टमेंट श्रेणी में रखा गया है, वे उस स्कूल से संपर्क करें जहां से उन्होंने परीक्षा दी थी। स्कूलों से यह भी कहा गया है कि वे अपने छात्रों को परीक्षाओं के बारे में सूचित करें और इस श्रेणी में रखे गए सभी छात्रों के नाम भेजें। इसके अलावा, जो छात्र 10वीं के दो विषयों और 12वीं के एक विषय में अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहते हैं, वे भी अपना नाम भेज सकते हैं। साथ ही, जो उम्मीदवार पहले और दूसरे मौके में परीक्षा पास नहीं कर पाए, उन्हें पूरक परीक्षा 2024 में तीसरे और आखिरी मौके के लिए निजी उम्मीदवार माना जाएगा।

उड़ानों में देरी पर डीजीसीए ने एयर इंडिया को भेजा कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को एयर इंडिया को कम से कम दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में अत्यधिक देरी और यात्रियों की उचित देखभाल करने में विफल रहने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया। नियामक ने 30 मई को दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को के लिए एआई 183 और 24 मई को मुंबई से सैन फ्रांसिस्को के लिए एआई 179 उड़ानों में अत्यधिक देरी का उल्लेख करते हुए यह कार्रवाई की। विमान में एयर कंडीशन सही ढंग से काम नहीं करने के कारण दोनों उड़ानों में देरी हुई और इससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। डीजीसीए के अनुसार इसके अलावा, डीजीसीए मानदंडों का उल्लंघन करने और एयर इंडिया द्वारा यात्रियों को असुविधा में डालने की घटनाएं बार-बार नियामक के संज्ञान में लाई गई। नियामक ने यह भी कहा कि एयर इंडिया यात्रियों की देखभाल करने में बार-बार विफल हो रही है और विमान में सवार होने से इनकार करने, उड़ानों को रद्द करने और उड़ानों में देरी के कारण एयरलाइनों द्वारा यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं से संबंधित प्रावधानों का अनुपालन नहीं कर रही है। नियामक ने कहा, एयर इंडिया से कारण बताने को कहा जाता है कि क्यों न उल्लंघन के लिए एयरलाइन के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई शुरू की जाए। एक अधिकारी ने बताया कि नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उड़ानों में देरी और यात्रियों को हुई असुविधा का संज्ञान लिया जिसके बाद डीजीसीए ने कारण बताओ नोटिस जारी किया।

सेक्स स्कैंडल के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना छह दिन की पुलिस हिरासत में

बेंगुलुरु। यौन शोषण और सेक्स स्कैंडल के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना को कोर्ट ने छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जर्मनी से 35 दिन बाद वापस लौटने पर जेडीएस के निष्कासित सांसद रेवन्ना को बेंगलुरु एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। कर्नाटक पुलिस की एसआईटी ने कोर्ट से रेवन्ना की 14 दिनों की कस्टडी की मांग की थी। दोनों पक्षों की तरफ से अपनी-अपनी दलीलें दी गईं। लंबी-चौड़ी दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने रेवन्ना को 6 जून तक एसआईटी हिरासत में भेज दिया है। इस दौरान जज ने प्रज्वल से पूछा कि तुम्हें कहां से गिरफ्तार किया गया? क्या तुमने अपने रिश्तेदारों को इसकी जानकारी दी है? एसआईटी ने कोर्ट को बताया कि रेवन्ना को रात करीब 1 बजे एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। उनके पिता को भी इसकी जानकारी दी गई थी। जज ने पूछा कि क्या प्रज्वल को कोई परेशानी है? इस पर प्रज्वल ने बताया कि टॉयलेट से बदबू आती है और वे गंदे हैं। इस मामले में विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) अशोक यादव ने आरोपी को पुलिस हिरासत में सौंपने के लिए दलीलें शुरू कीं। कोर्ट में एसपीपी ने अपने तर्क को पुष्ट करने के लिए होलेनरसीपुरा मामले के विवरण का हवाला दिया। पुलिस कस्टडी के लिए कोर्ट को बताया गया कि पुलिस को आगे की पूछताछ और जांच के लिए आरोपी की जरूरत है।

आखिरी चरण में 57 सीटों पर वोटिंग जारी

सुबह 9 बजे तक 11.31% मतदान, बंगाल में वोटिंग के बीच तालाब में फेंकी गई ईवीएम, इलाके में तनाव

लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें और आखिरी चरण का मतदान जारी है। इस चरण में 7 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर मतदान हो रहा है। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाराणसी सीट भी शामिल है। कुल मिलाकर 904 प्रत्याशी मैदान में हैं। अंतिम चरण में उत्तर प्रदेश की 13, पंजाब की 13, बंगाल की नौ, बिहार की आठ, ओडिशा की छह, हिमाचल प्रदेश की चार, झारखंड की तीन और चंडीगढ़ की एक सीट पर प्रत्याशियों की किस्मत दांव पर है। भीषण गर्मी के बीच लोगों को मतदान के लिए बाहर निकालना चुनौती होगा। इस चरण में नरेंद्र मोदी के अतिरिक्त केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, मनीष तिवारी, कंगना रनौत, मीसा भारती, अभिषेक बनर्जी की प्रतिष्ठा दांव पर है।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने डाला वोट

बिहार। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने भी मतदान किया। उनके साथ राबड़ी देवी और उनकी बेटी और सारण लोकसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार रोहिणी आचार्य अपना वोट डालने के बाद पटना के एक मतदान केंद्र से निकलते हुए।

हरभजन सिंह ने डाला वोट, कही ये बात

पंजाब। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और क्रिकेतना हरभजन सिंह ने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि ज्यादा से ज्यादा लोग आएं और मतदान करें। मैं चाहता हूं जालंधर में सबसे ज्यादा पोलिंग हो। हर जगह पोलिंग होनी चाहिए क्योंकि ये हमारे पास मौका है कि हम ऐसी सरकार चुनें जो जनता के प्रति काम कर सके।

काशी के परिणाम विजय के नए रिकॉर्ड बनाएंगे: शिवराज

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और विदिशा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मोदी जी के नेतृत्व में ही हम पूरे देश में जीत रहे हैं। काशी के परिणाम विजय के नए रिकॉर्ड बनाएंगे। भाजपा इस बार विजय के नए रिकॉर्ड स्थापित करेगी। मप्र में भी हम सभी 29 सीटें बड़े अंतर से जीतने वाले हैं।

वोट डालने के बाद क्या बोले योगी आदित्यनाथ ?

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, लोकतंत्र के महापर्व के अंतिम चरण में आज उत्तर प्रदेश की 13 सीटों पर मतदान हो रहा है। पिछले 2.5 महीने से अधिक समय से देश के अंदर आम जन की अकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जनता जनार्दन की अपेक्षा के अनुरूप विभिन्न दलों ने जनता के सामने अपने-अपने मुद्दे रखे। मौसम की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद मतदाताओं ने जो उत्साह दिखाया है। मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण को लेकर जारी मतदान के बीच भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि 'लोग पीएम प्रधानमंत्री मोदी को आशीर्वाद देने वाले हैं और एनडीए 400 सीटों का आंकड़ा पार करेगा। पूरे देश में %400 पार% की चर्चा है।

गलती करने वालों पर होगी ऑन स्पॉट कार्रवाई करेंगे सीएम मोहन यादव

भोपाल। कई वर्ष पहले आई एक फिल्म नायक याद है ना...! सीएम बने अभिनेता अनिल कपूर जिस तरह चट शिकायत, फट कार्रवाई के नजारे भी जहन में होंगे...! ऐसे ही रियल किरदार में अब मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दिखाई देने वाले हैं। इसके लिए सीएम सचिवालय ने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। सीएम डॉ. मोहन का यह नया अवतार जल्दी ही प्रदेश वासियों को दिखाई देने वाला है। सूत्रों का कहना है कि सीएम डॉ. मोहन यादव ने सरकारी योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन की हकीकत जानने की मंशा बनाई है। इसके लिए वे खुद ही लोगों के बीच जाएंगे, हकीकत जानेंगे और गलतियां करने वालों को ऑन स्पॉट कार्रवाई भी करेंगे। सूत्रों का कहना है कि सीएम डॉ. मोहन यादव का यह औचक निरीक्षण कार्यक्रम जल्दी ही शुरू होगा। उनका हैलीकाप्टर प्रदेश के किसी भी गांव, शहर, कस्बे, नगर में बिना किसी पूर्व सूचना के उतर जाएगा। बताया जा

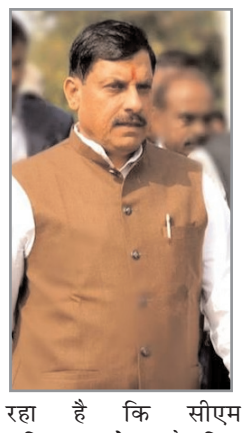

रहा है कि सीएम सचिवालय ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। सचिवालय ने पीडब्ल्यूडी से प्रदेश के हैलीपेड की जानकारी भी मांगी है।

ऐसे होगी कार्रवाई- फिल्म नायक के सीएम किरदार की तरह डॉ. मोहन यादव अचानक प्रदेश में किसी भी जगह पर पहुंचकर वहां पर संचालित सरकारी योजनाओं की जानकारी लेंगे। इसके लिए वे सीधे लोगों से बात कर सकते हैं। अधिकारियों द्वारा बताए गए कागजी जानकारी और लोगों के दिए गए फीडबैक में अंतर पाए जाने पर संबंधित लोगों पर ऑन स्पॉट कार्रवाई की जाएगी।

निजी संस्थाएं भी रहेंगी दायरे में- सूत्रों का कहना है कि सीएम डॉ. मोहन यादव की इस ह्लनायकह्व यात्रा में लोग निजी संस्थाओं, व्यक्तियों और व्यक्तिगत समस्याओं को भी शामिल किया जाएगा। इस दौरान मिलने वाली शिकायतों पर भी तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

नायक से उम्मीदें- फिल्म नायक में जिस तरह फिल्मी किरदार वाले सीएम चट शिकायत, पट निराकरण के हालात दिखाए गए थे, वह वास्तविक रूप से किया जाना संभव नहीं है। लेकिन इस औचक निरीक्षण के हालात से यह उम्मीद की जा सकती है कि कुछ दिनों तक प्रदेश में व्यवस्थाएं चाक चौबंद रहेंगी। अधिकारी कर्मचारी समय पर दफ्तर पहुंचने लगें और वहां आने वाले जरूरतमंद लोगों के कामों को तरजीह देने लगें। यह भी हो सकता है कि भले दिखावे के लिए लेकिन फाइलों का मिजाज भी कुछ दिन दुरुस्त रह सकता है।

मोदी के ध्यान पर भड़के खड़गे ने कहा- आपके ड्रामा का खर्च कौन उठाएगा?

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कन्याकुमारी में हैं। वे यहां तीन दिन विवेकानंद मेमोरियल में ध्यान करेंगे। इस पर, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राजनीति में धर्म को नहीं लाना चाहिए। राजनीति और धर्म अलग-अलग विषय है। पीएम मोदी वहां कन्याकुमारी में क्या ड्रामा कर रहे हैं, वहां करीब 10 हजार लोग हैं। यह देश के पैसे की बर्बादी है। देश में आचार संहिता लागू है। इसका खर्च कौन उठाएगा। अगर आपको इतनी ही आस्था है तो आप अपने घर पर यह काम करें। अपनी जेब से खर्च उठाएं। पीएम मोदी पर निशाना साधने के अलावा, उन्होंने कहा कि आरक्षण छीनने का कोई सवाल ही नहीं है। आरक्षण एससी और एसटी समुदाय के लोगों को उनकी आबादी के अनुसार दिया जाना चाहिए। इसके अलावा,

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी गुजरात से हैं। गुजरात का व्यक्ति यह कहता है कि मैं महात्मा गांधी को नहीं जानता तो मैं क्या कहूं। आरएसएस के सदस्य के नाते आपने उनकी विचारधारा और सिद्धांतों का प्रचार किया लेकिन महात्मा गांधी का नहीं। आप 13 साल मुख्यमंत्री रहे और अब पीएम। बता दें, पीएम मोदी के ध्यान का शुक्रवार को दूसरा दिन था। उन्होंने सुबह सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य दिया। पीएम मोदी के ध्यान का एक वीडियो सामने आया है, वीडियो में पीएम मोदी भगवा कुर्ता और गमछे में दिख रहे हैं। वे स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष बैठकर ध्यान कर रहे हैं। उनके हाथों में माला है और ओम की आवाज गूंज रही है। इस ध्यान मंडपम की खास बात यह है कि यह वही स्थान है, जहां स्वामी विवेकानंद ने देश भ्रमण के बाद तीन दिनों तक ध्यान किया था। यहीं उन्होंने विकसित भारत का सपना देखा था। ऐसी मान्यता है कि इस स्थान पर देवी पार्वती ने एक पैर पर खड़े होकर साधना की थी। पीएम मोदी गुरुवार को कन्याकुमारी पहुंचे थे। प्रधानमंत्री धोती पहने दक्षिण भारत की पारंपरिक पोशाक में दिखे। उन्होंने ऑफ-व्हाइट रंग का शॉल ओढ़ रखा था। कन्याकुमारी पहुंचने के बाद भगवती अम्मन मंदिर में प्रार्थना और पूजा-अर्चना की।

झालावाड़ रोड स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी में आग लगी, दिल्ली-मुंबई रेलमार्ग पर ट्रेनें रुकीं

मंदसौर। मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर झालावाड़ रोड स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी के डिब्बे में आग लग गई। इसके चलते भवानीमंडी-कोटा के बीच रेल यातायात ठप हो गया। इससे कई एक्सप्रेस और पैसेंजर गाडियां विभिन्न स्टेशन पर खड़ी कर रखी हैं।मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को कोटा तरफ जा रही मालगाड़ी के डिब्बे में झालावाड़ रोड स्टेशन पर आग लग गई। इससे भवानीमंडी से कोटा के बीच रेल यातायात ठप हो गया।कोटा की ओर जा रही मुंबई-अमृतसर गोल्डन टेंपल मेल को भवानीमंडी, स्वराज एक्सप्रेस मोड़क, हरिद्वार -बांद्रा धुआंखेड़ी, कोटा-चौमेहला डेमू दर्रा, कोटा-नागदा ट्रेन अलनिया स्टेशन पर खड़ी की गई है। मेल, एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों के घंटों लेट होने से यात्री परेशान हो रहे हैं। कोटा से रेलवे के आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर यातायात को सुचारू करने की कोशिश में लगे हैं।

गर्मी के कहर के बीच देश के जलाश्यों में बचा सिर्फ 23 फीसदी पानी

नई दिल्ली। देश में भीषण गर्मी ने जहां लोगों के पसीने छुड़ाए हुए हैं, वहीं पानी के स्त्रोतों को भी सुखा दिया है। केंद्रीय जल आयोग की हालिया रिपोर्ट में कुछ ऐसे आंकड़े दिए गए हैं, जो हमारी चिंता बढ़ाने वाले हैं। जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के 150 मुख्य जलाश्यों में पानी घटकर महज 23 प्रतिशत रह गया है। पिछले साल इस समय के मुकाबले यह 77 प्रतिशत कम है। देश के जलाश्यों में कितनी तेजी से पानी कम हो रहा है, उसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बीते हफ्ते ही इन जलाश्यों में पानी का लाइव स्टोरेज 24 प्रतिशत था, जो एक हफ्ते में ही एक प्रतिशत घट गया।

पिछले साल के मुकाबले भी आई गिरावट : केंद्रीय जल आयोग ने अपने साप्ताहिक बुलेटिन में शुक्रवार को बताया कि अभी देश के जलाश्यों में 41.705 अरब क्यूबिक मीटर पानी की लाइव स्टोरेज है, जो कुल क्षमता का सिर्फ 23 प्रतिशत है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बीते साल इस समय देश के मुख्य जलाश्यों में कुल 53.832 अरब क्यूबिक मीटर पानी था। इस साल पिछले साल के मुकाबले सिर्फ 77 प्रतिशत पानी जलाश्यों में है। जल आयोग द्वारा देश के जिन मुख्य जलाश्यों की निगरानी की जाती है, उनमें कुल जल भंडारण क्षमता 178.784 अरब क्यूबिक मीटर है, जो देश में कुल जल भंडारण क्षमता की 69.35 प्रतिशत है।

देश के मुख्य जलाश्यों की मौजूदा स्थिति

देश के मुख्य 150 जलाश्यों में से 10 जलाश्य भारत के उत्तरी इलाके में है, जिनमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान का नाम शामिल है। इन जलाश्यों में पानी के भंडारण की क्षमता बीते साल इस समय 19.663 अरब क्यूबिक मीटर थी, जो अब घटकर महज 5.864 अरब क्यूबिक मीटर रह गई है। वहीं पूर्वी इलाकों असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, नगालैंड और बिहार में 23 जलाश्य हैं, जिनकी भंडारण क्षमता 20.430 अरब क्यूबिक मीटर है, अब इन जलाश्यों में सिर्फ 5.645 अरब क्यूबिक मीटर पानी है।

बीते साल के मुकाबले 28 प्रतिशत कम पानी

देश के पश्चिमी क्षेत्र गुजरात और महाराष्ट्र में 49 मुख्य जलाश्य हैं, जिनकी जल भंडारण क्षमता 37.130 अरब क्यूबिक मीटर है और अब उनमें 8.833 अरब क्यूबिक मीटर पानी है। यह बीते साल के मुकाबले 28 प्रतिशत कम है। मध्य क्षेत्र के उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में 26 मुख्य जलाश्य हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 48.227 अरब क्यूबिक मीटर है और फिलहाल इनमें 14.046 अरब क्यूबिक मीटर पानी ही बचा है। दक्षिणी हिस्से के आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में 42 जलाश्य हैं, जिनकी भंडारण क्षमता 53.334 अरब क्यूबिक मीटर है, लेकिन अब इनमें 7.317 अरब क्यूबिक मीटर ही पानी है।

सिंगल कॉलम

फ्लैट में फटा एसी, मां-बच्चों की जान पर बनी

इंदौर। एक रहवासी बिल्डिंग में एयर कंडीशनर का कंप्रेसर फटने से फ्लैट में आग लग गई। इंदौर में शुक्रवार दोपहर ढाई बजे यह घटना हुई। बीआरटीएस पर एमआर 9 चौराहे के पास स्थित बिल्डिंग की पांचवी मंजिल के फ्लैट में दोपहर 2.30 बजे एसी फटा। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद में आग पर काबू पाया गया। आग बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल के फ्लैट के एसी में लगी थी। फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम ने आग बुझाई। फ्लैट मालिक और ट्रांसपोर्ट कारोबारी कैलाश वोहरा ने बताया कि हादसे के समय मैं ऑफिस में था। पत्नी, 22 साल का बेटा और 14 साल की बेटी फ्लैट के अंदर थे। पत्नी ने धुआं उठते देखकर दोनों बच्चों को बताया और भागकर बाहर आईं। इसके बाद पूरी सोसायटी को अलर्ट किया गया और सभी लोग एक के बाद एक बाहर आ गए। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड और पुलिस भी पहुंच गई और आग बुझाई। सभी सुरक्षित बाहर आ गए थे। एसी में आग कैसे लगी, अभी इसका कारण पता नहीं चला है। आग बुझाने के बाद रेस्क्यू टीम फ्लैट और आसपास के एसी भी चेक कर रही है। चूंकि आग पांचवीं मंजिल पर थी और धुआं लगातार आ रहा था इसलिए रेस्क्यू टीम को आग बुझाने के लिए मशक्कत करना पड़ी। टीम के सदस्य अन्य फ्लैट में पहुंचे और आसपास से भी पानी पहुंचाया। टीम के सदस्य प्रेशर से पानी फ्लैट तक पहुंचा रहे थे। घरों के अंदर रूई और प्लास्टिक का सामान होने की वजह से आग बुझने के बाद भी फिर से पूरी चेकिंग की गई।

इंदौर में फिर चढ़ा पारा, 40 के पार पहुंचा, दिन में चली गर्म हवाएं

इंदौर। शुक्रवार को इंदौर में फिर तापमान में बढ़ोतरी देखी गई। 24 घंटे में पारा फिर एक डिग्री उछल गया है। शुक्रवार को तापमान 40.6 (+1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दिन में 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली। दिन में हवाएं गर्म थी लेकिन सुबह और शाम को हवाओं में ठंडक होने की वजह से लोगों को गर्मी ने ज्यादा परेशान नहीं किया। गुरुवार को इंदौर में पारा 39.5 पर था जकि शुक्रवार को यह 40.6 तक पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक इस बार इंदौर में मानसून जल्द आएगा। केरल में मानसून ने दस्तक दे दी है और 20 जून के आसपास इंदौर में मानसून के दस्तक देने की उम्मीद की जा रही है। प्री मानसून एक्टिविटी के कारण अगले सप्ताह से ही ठंडक होने की भी उम्मीद की जा रही है।

इस बार इंदौर में रिकार्ड गर्मी हुई है। मई के महीने में पारा 44 के पार पहुंचा जो पिछले आठ साल में भी नहीं हुआ था। मई में 25 दिन तक लू चलती रही और गर्मी की वजह से लोग घर से बाहर निकलने में भी परेशान हुए। पिछले चार दिन से पारा गिरने की वजह से लोगों को थोड़ी सी राहत मिली है।

सिंधिया बोले चुनाव के नतीजों के बाद भारत का परचम विश्व पटल पर लहराएगा

इंदौर। केंद्रीय मंत्री और गुना से भाजपा उम्मीदवार ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने से पहले मीडिया से बात की। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि लोकसभा चुनाव के 4 जून को जब नतीजे आएंगे तब भारत का परचम विश्व पटल पर लहराएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की तीसरी पारी में भारत को तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में 2027 तक उभारने की दिशा में हम सब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ेंगे। उज्जैन में भगवान महाकाल दर्शन और मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का कल मतदान है। उन्होंने कहा कि देश का एक-एक नागरिक इस अंतिम चरण में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करे।

पत्नी सरपंच, पति 95 हजार रु. की रिश्वत लेते धराया

इंदौर। लोकायुक्त पुलिस ने एक सरपंच पति को 95 हजार रु. की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इंदौर में शुक्रवार को लोकायुक्त पुलिस ने रंगेहाथ धरा। तालाब गहरीकरण की मिट्टी खेत में ले जाने के एवज में सरपंच पति ने एक लाख रु. की रिश्वत की मांग की थी। खास बात यह कि आरोपी जब अपनी सरपंच पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल लाया था तभी उसने अस्पताल में रिश्वत की राशि ली। लोकायुक्त की टीम ने सरपंच पति के खिलाफ भ्रष्टाचारण निवारण एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

आरोपी राहुल रावत की पत्नी ग्राम पंचायत व्यासखेड़ी (सांवेर) सरपंच है। स्कीम नंबर 78 में रहने वाले संजय तिवारी ने व्यासखेड़ी के तालाब गहरीकरण के बाद निकली मिट्टी खेत में ले जाने के लिए राहुल से बात की थी। इस पर राहुल ने पहले सरकारी अनुमति लेने को कहा। इसके बाद कहा कि बिना अनुमति से ही काम हो जाएगा लेकिन एक लाख रु. लगेंगे। इस पर तिवारी ने इसकी शिकायत लोकायुक्त को की और फिर लोकायुक्त टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिए योजना बनाई। शुक्रवार दोपहर लोकायुक्त टीम की तैयारी के बाद राहुल ने संजय तिवारी को कनाड़िया रोड स्थित सेवाकुंज अस्पताल के बाहर बुलाया।

इंदौर में आठ पब से साढ़े चार करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी

सिची चीफ इंदौर।

राज्य कर (स्टेट जीएसटी) विभाग द्वारा पबों पर जारी जांच में साढ़े चार करोड़ रुपये की कर चोरी पकड़ में आ चुकी है। विभाग ने तीन दिनों में आठ पबों से कर वसूली की यह मांग निकाली है। इसमें से तीन करोड़ रुपये ज्यादा की कर वसूली मौके से ही कर ली गई है। इस बीच दस और पबों पर जांच जारी है। पबों पर हो रही कार्रवाई में कर चोरी का आंकड़ा दस करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। मंगलवार शाम से विभाग ने शहर के पबों पर जांच शुरू की थी। शराब के साथ खाने-पीने की वस्तुएं और एंट्री फीस वसूलने वाले पबों पर पहली बार जीएसटी ने छापा मारा। विभाग की एंटी इवेजन विंग ए और बी ने संयुक्त रूप से जांच को अंजाम

दिया। सभी शापिंग माल, एबी रोड, विजय नगर, रिंग रोड और बायपास तक के पबों को जीएसटी ने जांच के दायरे में लिया है। जांच के दायरे में आए पबों की कुल संख्या 18 हो गई है। आठ पबों पर शुक्रवार सुबह कार्रवाई पूरी कर ली गई। इन पर कुल साढ़े चार करोड़ रुपये की टैक्स चोरी निकाली गई है। 10 पबों पर शुक्रवार शाम तक अधिकारी जांच में जुटे थे। जीएसटी नहीं चुकाने के साथ मिसडिक्लयरेशन और बिना पंजीयन कारोबार करने का मामला भी सामने आया है। शनिवार तक इन पबों पर कार्रवाई पूरी होने के साथ कर वसूली की मांग सामने आ सकती है। उल्लेखनीय है कि पहली बार जीएसटी ने शहर के पबों को जांच के दायरे में लिया है। मुख्यालय के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में 60 से ज्यादा अधिकारी जुटे हैं। कर वसूली के आंकड़े से विभाग खासा उत्साहित भी है।

नाके हुए खत्म, लेकिन वसूली जारी

कर प्रणाली जीएसटी लागू होने के बाद देश में तमाम नाके खत्म कर दिए गए हैं। बावजूद इंदौर के आसपास के जिलों में अवैध वसूली जारी है। गुरुवार-शुक्रवार को ट्रांसपोर्टरों ने भोपाल में सचिव स्तर के अधिकारियों और वाणिज्यिककर विभाग के अधिकारियों को शिकायत की। ताजा मामला शाजापुर जिले की ओंकारदा गांव की चौकी का बताया जा रहा है। शिकायत में कहा कि चौकी पर माल से भरे ट्रक रोके जा रहे हैं। 12 से 24 घंटे तक खड़ा रखते हैं। जीएसटी के नाम पर गाड़ियां रोकी जा रही हैं। ट्रांसपोर्टरों का आरोप है कि वसूली के लिए उन पर दबाव है। जीएसटी विभाग ने वहां कार्रवाई से इन्कार किया है। पुलिस चौकी प्रभारी पर आरोप लगे कि वे अपने स्तर पर गाड़ियां रोक रहे हैं। चौकी प्रभारी अरविंद तोमर ने कहा कि शक के आधार पर कभी-कभी गाड़ी रोक लेते हैं। फिर जीएसटी को खबर कर देते हैं। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि पुलिस को जीएसटी जांच के लिए ऐसे घंटों गाड़ी रोकने का अधिकार नहीं है।

प्रस्तुति दे रहे शख्स को आया अटैक, मंच पर गिरे, दर्शक बजाते रहे तालियां

सिची चीफ इंदौर।

हाथ में तिरंगा लेकर फौजी की ड्रेस में योग शिविर के मंच पर मां तुझे सलाम गीत पर प्रस्तुति दे रहे एक शख्स को मंच पर ही दिल का दौरा पड़ गया, जब वे गिरे तो दर्शकों ने उसे प्रस्तुति का हिस्सा माना। मंच पर तिरंगा गिरा तो एक अन्य व्यक्तितिरंगा उठाकर लहराने लगा। मंच पर गिरा हुआ शख्स देर तक नहीं उठा तो दर्शकों को पता चला कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा है। सीपीआर देने पर उन्हें थोड़ा ठीक लगा और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। उपचाार के दौरान उनकी मौत हो गई। बलविंदर सिंह छाबड़ा फूठी कोठी स्थित एक योग केंद्र में प्रस्तुति देने पहुंचे थे। उन्होंने मां तुझे सलाम गीत पर प्रस्तुति दी। कुछ देर तक वे डांस करते रहे, फिर वे मंच से नीचे भी गए और झंडा लहराते हुए डांस करते रहे। मंच पर चढ़ने के बाद अचानक वे मंच पर गिर पड़े। उनके हाथ से तिरंगा झंडा भी मंच पर गिर गया। इस बीच एक अन्य व्यक्ति ने गीत खत्म होने तक झंडा लहराया। गीत समाप्त होने के बाद भी छाबड़ा नहीं उठे तो दर्शकों को उनको दिल का दौरा पड़ने का पता चला। अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

पहली बार आए थे योग शिविर में

योग शिविर आयोजक डॉ. आरके जैन ने बताया कि योग मित्र संस्था के सहयोगी

राकेश चौधरी के जरिये बलविंदर सिंह छाबड़ा और उनके साथी शुक्रवार को पहली बार योग शिविर में आए थे। वे मुख्य रूप से लाफ्टर और वेट लॉस योगा कराते थे। बलविंदर ने सुबह 6.20 बजे प्रस्तुति दी। कहा कि सबसे पहले दो देशभक्ति गीत गाऊंगा और डांस करूंगा। उसके बाद मेरे साथी लाफ्टर का कार्यक्रम आगे बढ़ाएंगे। लेकिन पहली प्रस्तुति के दो मिनट के भीतर ही वे स्टेज पर गिर गए।

परिजनों ने आंखे व त्वचा दान की

बलविंदर की वर्ष 2008 में बायपास सर्जरी हो चुकी थी। उन्होंने अंगदान का फार्म भी भरा था। परिजनों ने उनकी आंखे, त्वचा दान की। बलविंदर सांस्कृतिक आयोजनों में हमेशा सक्रिय रहते थे। देशभक्ति से जुड़े आयोजनों में अकसर वे प्रस्तुति देते शहरवासियों को नजर आते थे।

शहरभर के योगाचार्य आते हैं

डॉ. आरके जैन ने बताया कि निशुल्क योग शिविर में शहरभर के अलग-अलग योगाचार्य आते हैं और ट्रेनिंग देते हैं। शिविर में स्कीम 71, द्वारकापुरी, सुदामा नगर, परिवहन नगर, सूर्यदेव नगर, सत्यदेव नगर आदि कॉलोनियों के युवाओं को विशेष रूप से योग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यही वजह है कि सुबह 6.15 से 7.15 तक शिविर लगाया जा रहा है।

यात्रियों के लिए बड़ी राहत

मेगा ब्लाक खत्म होते ही महू और इंदौर के बीच दौड़ने लगी ट्रेनें

सिची चीफ इंदौर।

पिछले 15 दिनों से राऊ-महू दोहरीकरण प्रोजेक्ट के चलते इंदौर-महू रेलखंड पर मेगा ब्लाक लिया गया था, जो काम पूरा होने के बाद शुक्रवार से शुरू कर दिया गया है। शुक्रवार को पहली ट्रेन महू-रतलाम-भीलवाड़ा को तय समय 2.30 बजे इंदौर की ओर रवाना किया गया। हालांकि ट्रेन संचालन की जानकारी नहीं होने के चलते तकरीबन पूरी ट्रेन खाली ही रवाना हुई। राऊ-महू दोहरीकरण प्रोजेक्ट पूरा होने से अब इंदौर-महू रेलखंड पर दो लाइन हो गई है। अब इंदौर से महू जाने वाली ट्रेनों को नई लाइन से भेजा जाएगा। वहीं महू से इंदौर आने वाली ट्रेनों को पुरानी लाइन से चलाया जाएगा। रेल अफसरों के अनुसार शुक्रवार दोपहर 1.30 बजे निर्माण विभाग ने ट्रेन संचालन की अनुमति जारी की। इसके बाद पहली ट्रेन दोपहर 2.30 बजे महू से रवाना हुई। शुक्रवार से सभी डेमू ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया गया है। महू से चलने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन भी शनिवार से शुरू किया जाएगा। जानकारी के अनुसार पहले रतलाम मंडल द्वारा इंदौर-महू

रेलखंड को एक जून से शुरू किया जाना था, लेकिन शुक्रवार दोपहर ही रेल अफसरों ने ट्रेन संचालन की अनुमति जारी कर दी। इसके चलते रेलवे ट्रेन संचालन को लेकर यात्रियों को किसी तरह की जानकारी नहीं दे पाया। शुक्रवार दोपहर रवाना हुई डेमू ट्रेन में गिनती के यात्री भी सवार नहीं थे। यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाने व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महू-रीवा एक्सप्रेस को एलएचबी (लिंक हाफमैन बुश) रैक से चलाया जाएगा। मंडल से मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 11703 रीवा-महू एक्सप्रेस छह अक्टूबर से और गाड़ी संख्या 11704 महू-रीवा एक्सप्रेस सात अक्टूबर से एलएचबी रैक से चलेगी। इस ट्रेन में एक फर्स्ट एसी, दो सेकंड एसी, चार थर्ड एसी, 11 स्लीपर श्रेणी और दो सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षा जून के तीसरे सप्ताह में, जल्द तय होगी तारीख

सिची चीफ इंदौर।

लोकसभा चुनाव की वजह से स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षा दो महीने पिछड़ चुकी है। अब देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने जून तीसरे सप्ताह में परीक्षा प्रस्तावित की है। अगले कुछ दिनों में परीक्षा व रिजल्ट के संबंध में विश्वविद्यालय ने बैठक रखी है। उसके बाद परीक्षा का शेड्यूल जारी किया जाएगा। साथ ही तारीख तय होगी। वैसे विद्यार्थियों को परीक्षा में आवेदन करने के लिए इन दिनों फार्म भरवाए जा रहे है। बीए, बीकाम, बीएससी सहित अन्य स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षा अप्रैल में करवाई जाएगी, लेकिन लोकसभा चुनाव की वजह से विश्वविद्यालय ने कुछ सप्ताह के लिए परीक्षा आगे बढ़ाई है। मगर अभी तक परीक्षा का टाइम टेबल नहीं आया है। इस वजह से छात्र-छात्राएं परेशान हो रहे है। वैसे प्रथम वर्ष में 70-80 हजार विद्यार्थी है। इनके लिए 80-90 केंद्र बनाने होंगे। मगर इन दिनों अधिकांश कालेजों में स्नातक द्वितीय वर्ष के पेपर करवाए जा रहे है। जहां अधिकांश कालेज में तीन सत्र में पेपर रखे है। कालेजों के पास अतिरिक्त भवन नहीं है। इस वजह से प्रथम वर्ष की परीक्षा में थोड़ा समय लगा रहा है। परीक्षा विभाग ने 21 जून के बाद पेपर करवाने पर जोर दिया है। सोमवार को परीक्षा व रिजल्ट संबंधित बैठक बुलाई है, जिसमें अधिकारियों से परीक्षा करवाने को लेकर सुझाव मांगे है। स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षा में सर्वाधिक विद्यार्थी शामिल होते है। इनके लिए परीक्षा केंद्रों की संख्या भी अधिक रखना पड़ती है। जहां नकल पर नजर रखने के लिए विश्वविद्यालय को उड़नदस्ते बनाता है। इंदौर के केंद्रों के लिए पांच टीमें होगी। जबकि बाकी जिलों के लिए एक-एक टीम रहेगी।

लापता सैनिक के मामले में पारिवारिक पेंशन देने का फैसला

सिची चीफ इंदौर।

जब फौज का एक सैनिक ड्यूटी से लापता हो जाता है या उसकी मृत्यु हो जाती है तो सेना का व्यवहार उसके परिजन के प्रति रुखा क्यों हो जाता है? उसकी मृत्यु की तारीख के लिए परिजन मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए परेशान होते हैं ऐसा नहीं होना चाहिए। यह टिप्पणी मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने की है। हाईकोर्ट ने एक लापता सैनिक के मामले में पारिवारिक पेंशन देने के लिए उसके परिवार के हक में फैसला दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सैनिक जब से ऑन रिकॉर्ड गायब होना दर्ज है, उसी दिन को उसकी मृत्यु मानकर पारिवारिक पेंशन दी जाए। मामला मंदसौर जिले के एक सैनिक का है, जो 2010 में गोवा में ट्रेनिंग के दौरान लापता हो गया था। कानूनी रूप से 7 साल होने पर लापता व्यक्ति को मृत मान लिया जाता है। इसके लिए कोर्ट में सिविल डेथ क्लेम करना पड़ता है। सैनिक लापता होने की दशा में सिविल डेथ सर्टिफिकेट पेश करने पर ही पारिवारिक पेंशन शुरू होती है। इस केस में ऐसा नहीं हुआ था।

फौजी सुरेंद्र सिंह सोलंकी

ग्रामीण क्षेत्र का होने से सैनिक के माता-पिता को इसकी जानकारी नहीं थी। लिहाजा वे 2020 तक बेटे की सिविल डेथ का क्लेम ही नहीं कर पाए। जब सेना से जानकारी मांगी तो पता चला कि मृत्यु प्रमाण पत्र पेश होने पर ही पारिवारिक पेंशन शुरू होगी। इस पर 2020 में पहली बार फौजी के माता-पिता ने मंदसौर कोर्ट में बेटे की सिविल डेथ के लिए दावा लगाया। अर्जी मान ली गई।

इंदौर, खरगोन, रतलाम में आयकर छापे

कारोबारी कटारिया के बैंक लॉकर्स से मिला 6 करोड़ से ज्यादा कैश

सिची चीफ इंदौर।

टैक्स चोरी के मामले में आयकर विभाग द्वारा इंदौर, खरगोन, रतलाम में एक साथ 5 बड़े कारोबारियों के ठिकानों पर कार्रवाई की। इंदौर में हुंडियों व अन्य माध्यम से सबसे ज्यादा फायनेंस चलाने वालों में से एक धनसुख राज कटारिया के यहां दो दिन पहले हुए आयकर छापे की कार्रवाई पूरी हो गई है। आयकर विभाग की टीम खरगोन भी कुछ कारोबारियों के यहां पहुंची थी और रतलाम में हवाला कराबोरी मनीष और लवीश पटवा बंधुओं के यहां भी टीम गई थी। इंदौर और खरगोन में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर आयकर की बड़ी कार्रवाई की गई। इंदौर में धनसुख राज कटारिया के घर और अन्य ठिकानों पर हुई कार्रवाई में चार बैंक लॉकर्स में से दो की छानबीन की गई। इनमें 6 करोड़ रु. से ज्यादा नकद, 17 किलो सोने के आभूषण और 8 करोड़ रुपए की हुंडियां मिली हैं। विभाग द्वारा कटारिया के फाइनेंस के धंधे के मामले में भी छानबीन की जा रही है। यह जानकारी मिली है कि कटारिया के पॉलिटिकल कनेक्शन रहे हैं। कटारिया द्वारा बड़े पैमाने में लेन-देन कर दूसरों को तगड़े ब्याज पर फाइनेंस करता था। टीम इस पर छानबीन कर रही है।

इसके अलावा रतलाम में हवाला कारोबारी मनीष और ब्लवीश पटवा के ठिकानों से भी विभाग को 1.75 करोड़ रुपए नकद मिले।

खरगोन में दाल मिल कारोबारी नवनीता महाजन और नटवरलाल महाजन के ठिकानों से विभाग को 1.25 करोड़ नकद और 1.75 किलो सोने के जेवरात मिले। इंदौर में टीम धनसुख राज के दाल मिल के कार्यालय भी पहुंची। कटारिया जानकी नगर में रहते हैं। उनकी दिलीप दाल मिल नामक फर्म है। इसके अलावा ब्याज-बट्?टे का भी धंधा है। उनके कई फाइनेंसरों से लेन-देन की जानकारी मिली है। इन्होंने दाल मिल के अलावा रियल एस्टेट में भी निवेश कर रखा था।

छापे में 5.75 करोड़ रुपए नकदी मिली

इंदौर, खरगोन, रतलाम में एक साथ 5 बड़े कारोबारियों के ठिकानों पर कार्रवाई हुई। धनसुख राज कटारिया के घर और अन्य ठिकानों पर हुई कार्रवाई में 5.75 करोड़ रुपए नकद, 17 किलो सोने के आभूषण और 8 करोड़ रुपए की हुंडियां मिली। कटारिया फायनेंस के पास कच्चे में काफी हिसाब मिला है, इसमें कई नेताओं को फंडिंग करने की बात कही गई है। यह कई नेताओं को फायनेंस उपलब्ध कराते हैं। इसमें खासकर सत्ताधारी बीजेपी दल के नेता जुड़े हुए हैं। रतलाम में पटवा बंधुओं के यहां यह मिला इसके अलावा रतलाम में हवाला कारोबारी मनीष और लवीश पटवा के ठिकानों से भी विभाग को 1.75 करोड़ रुपए नकद मिले। खरगोन में दाल मिल कारोबारी नवनीत महाजन और नटवरलाल महाजन के ठिकानों से विभाग को 1.25 करोड़ नकद और 1.75 किलो सोने के जेवरात मिले। बुधवार (29 मई) को शुरू हुई छापे की कार्रवाई गुरुवार (30 मई) रात तक जारी रही। सभी कारोबारियों के बैंक लॉकर भी खोले जाएंगे।

रियल एस्टेट में भी निवेश कर रखा था

इंदौर में टीम धनसुख राज के दाल मिल के कार्यालय भी पहुंची। इन्होंने दाल मिल के अलावा रियल एस्टेट में भी निवेश कर रखा था। इनके तार बड़े नेताओं से भी जुड़े हैं। विभाग के पास नेताओं को फंडिंग करने की जानकारी भी थी। इसके आधार पर कार्रवाई की गई है। खरगोन में आयकर टीम महाजन परिवार के 4 प्रतिष्ठानों पर पहुंची। इसमें श्री प्रभु ट्रेडर्स, श्री हरि इंटरप्राइजेस, राधाकृष्ण मथुरावाला दाल मिल, आरएम इशान कोल्ड स्टोरेज शामिल हैं। वहीं रतलाम में पटवा बंधुओं के घर और कार्यालय पर टीमें पहुंचीं।

खरगोन में इनके यहां पहुंची टीम

इसके साथ ही आयकर विभाग की टीम खरगोन में भी पहुंची। यहां श्री प्रभु ट्रेडर्स, श्री हरि इंटरप्राइजेस, राधाकृष्ण मथुरावाला दाल मिल, आरएम ईशान कोल्ड स्टोरेज पर भी गई। यहां भी लंबी कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि कटारिया ग्रुप व अन्य जगहों से भारी मात्रा में दस्तावेज मिले हैं, खासकर कच्ची पर्चियां मिली है। आयकर विभाग इन सभी को जब्ती में ले रहा है।

बैरागढ़ में साई संजय मसंद के सम्मान में निकाली शोभायात्रा, जनेऊ संस्कार कल

सिची चीफ भोपाल।

संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) में सिंधी समाज के बालकों को जनेऊ पहनाने के उद्देश्य से सुखझील दरबार सेवा ट्रस्ट की ओर से इस बार भी सामूहिक जनेऊ संस्कार सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन 02 जून, रविवार को प्रमुख धार्मिक गुरु साई संजय मसंद एवं गुरुमाता अनुपमा मसंद के सान्निध्य में होगा। इस आयोजन में शिरकत करने के लिए शुक्रवार को दोनों अहमदाबाद से संत हिरदाराम नगर पहुंचे। इस अवसर पर साई एवं गुरुमाता के सम्मान में साधकों ने बैरागढ़ में शोभायात्रा निकाली। गुलाबी वस्त्र पहने महिला व पुरुष साधकों ने साई के जयकारे लगाते हुए नगर

की परिक्रमा की। कपड़ा व्यापारी संघ एवं हेप्पी सेवा ग्रुप सहित अनेक संस्थाओं ने शोभयात्रा का स्वागत किया।

झूलेलाल मंदिर में हुआ समापन

शोभयात्रा का समापन झूलेलाल मंदिर पहुंचकर हुआ। यहां बहिराणा पूजन एवं भजन हुए। एक जून को नामदान कार्यक्रम किया जा रहा है। दो जून को सिंधी समाज के 51 बालकों के उपनयन संस्कार की रस्म अदा की जाएगी। प्रमुख ज्योर्तिविद् पं. जय कुमार शर्मा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यह रस्म अदा कराएंगे।

दो दशक से चल रही परंपरा

बैरागढ़ में सामूहिक जनेऊ संस्कार सम्मेलन की शुरूआत दो दशक पहले भारतीय सिंधु सभा ने थी। पहले ग्राम बेहटा स्थित टेंऊराम आश्रम में हर वर्ष सम्मेलन होता था। सिंधी समाज के गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों को इस आयोजन का इंतजार रहता है। सिंधु सभा इस आयोजन के दौरान बालकों कें स्वजनों के लिए भोजन की व्यवस्था भी करती है।

बैरागढ़ कपड़ा बाजार का फायर सिस्टम बंद चिरायु अस्पताल में नहीं मिला होज पाइप

सिची चीफ भोपाल।

राजकोट, गुजरात में एक गेमिंग जोन में हुए भीषण हादसे के बाद शहर में एक बार फिर नगर निगम व जिला प्रशासन का अमला विभिन्न संस्थानों, भीड़भाड़ वाले इलाकों में फायर सेफ्टी के इंतजामों को जांचने में जुट गया है। राजधानी के भीड़ वाले क्षेत्रों के प्रतिष्ठानों में फायर एनओसी और आग से बचाव के उपकरणों की जांच करने का अभियान शुक्रवार को भी जारी रहा। बैरागढ़ एसडीएम विनोद सोनकिया के नेतृत्व में राजस्व, नगर निगम के अमले ने पुलिस की मौजूदगी में चिरायु अस्पताल भैंसा खेड़ी, संत हिरदाराम नगर कपड़ा मार्केट और सेवा सदन नेत्रालय अस्पताल बैरागढ़ का फायर सेफ्टी व्यवस्था संयुक्त रूप से निरीक्षण

किया गया। इस दौरान अग्निशमन उपकरणों के नगर निगम अमले के समक्ष संचालन की कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, चिरायु अस्पताल में हाइडेंट कपलिंग नहीं पाई गई। हाइडेंट बाक्स में हौज पाइप नहीं पाया गया और होज रील बंद पाई गई। इधर, कपड़ा मार्केट बैरागढ़ में फायर सिस्टम बंद पाया गया, पंप मोटर खराब पाई गई। सेवा सदन नेत्रालय में सभी फायर सिस्टम सही पाए गए जो कमियां स्थल पर पाई गईं, उन्हें दर्ज कर संचालक के हस्ताक्षर कराकर तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

2019 के सटीक दावों के बाद आज फिर रहेगा एग्जिट पोल का इंतजार

सिची चीफ भोपाल।

लोकसभा चुनाव 2024 अपने अंतिम पड़ाव पर है। एक जून को आखिरी चरण का मतदान होना है। इसके बाद वो घड़ी आ जाएगी, जिसका सबको बेसब्री से इंतजार है, यानी एग्जिट पोल का। हालांकि रिजल्ट चार जून को आना है, लेकिन फिर भी लोगों को एग्जिट पोल का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस सर्वे में काफी हद तक ये साफ हो जाता है कि आने वाले पांच वर्षों में किसके पास देश की बागडोर रहने वाली है।

2019 के एग्जिट पोल की बात करें तो ये आंकड़ा काफी हद तक सटीक बैठा था। इस बार भी अमर उजाला की वेबसाइट पर भी एक जून को मध्य प्रदेश समेत तमाम राज्यों के एग्जिट पोल प्रकाशित होंगे। मध्य प्रदेश की 29 सीटों पर भी अनुमान इसी दिन सामने आएंगे। 2019 में मध्य प्रदेश में एग्जिट पोल सटीक बैठे थे। इस वजह से चार जून को मतगणना से पहले एक जून का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश की 29 सीटों पर चार चरणों में मतदान हुआ। शुरूआती चार चरणों में सभी सीटों पर मतदान हो चुका था। भाजपा जहां सभी 29 सीटों पर जीत हासिल करने का दावा कर रही है, कांग्रेस अपना 2019 का प्रदर्शन सुधारने की उम्मीद लगाकर बैठी है। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि मुकाबला बराबरी का है। 29 में से 15 सीटें भी कांग्रेस जीत सकती है। 2019 में भी मध्य प्रदेश ने चार चरणों में मतदान किया था। अमर उजाला पर हर बार की तरह तमाम सर्वे एजेंसियों के एग्जिट पोल्स प्रकाशित किए जाएंगे। इस दौरान मध्य प्रदेश की 29 सीटों पर एग्जिट पोल के नतीजे अलग से प्रकाशित किए जाएंगे।

2019 में सटीक रहा था दावा

2019 के लोकसभा चुनावों में इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया एक्जिट पोल ने दावा किया था कि प्रदेश की 29 में से 26 से 28 सीटों पर भाजपा की जीत होगी और ये नतीजे सही भी रहे थे। छिंदवाड़ा को छोड़कर भाजपा ने 28 सीटों पर जीत हासिल की थी। वोट प्रतिशत भी भाजपा के पक्ष में 57 प्रतिशत रहने का अनुमान था, जो वास्तव में 58 प्रतिशत के पार गया था। जन की बात और आईएएनएस-सीवोटर ने भाजपा को 24 और 21-24 सीटें मिलने का अनुमान लगाया था। सी-वोटर और और जन की बात ने 5-8 सीटें कांग्रेस को मिलने का अनुमान किया था, जो गलत साबित हुआ था।

2019 चुनाव के नतीजे

2019 में भी लोकसभा चुनाव सात चरणों में हुआ था। 2019 में 67.09त्न वोट पड़े थे, जिसमें से पुरुषों ने 67.01त्न, महिलाओं ने 67.18त्न और अन्य ने 14.58त्न वोटिंग की थी। 542 सीटों पर हुए चुनाव के नतीजे 23 मई 2019 को घोषित हुए थे। भारतीय जनता पार्टी लगातार दूसरी बार पूर्ण बहुमत से सत्ता में लौटी थी। भाजपा ने 303 सीटें जीती थीं। कांग्रेस को महज 52 सीटों पर जीत मिली थी। चुनाव नतीजों के बाद भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बनी जिसके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने। 30 मई 2019 को वाराणसी से सांसद नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

क्या और कैसे होता है एग्जिट पोल?

एग्जिट पोल को एक सर्वे की तरह समझिए। ये सर्वे वोटिंग वाले दिन ही होता है। इसमें वोटरों से सवाल किए जाते हैं। इस दौरान उनका मन टटोलकर ये जानने का प्रयास किया जाता है कि उनका वोट किस पार्टी के पक्ष में रहने वाला है। सर्वे करने वाली एजेंसियों की टीम पोलिंग बूथ के बाहर वोटरों से सवाल करती हैं। इसके बाद इसका एनालिसिस किया जाता है और इसके आधार पर चुनावी नतीजों का अनुमान लगाया जाता है। भारत में कई सारी एजेंसियां एग्जिट पोल करवाती हैं।

मप्र वक्फ बोर्ड ने पूर्व अध्यक्ष को थमाया सात करोड़ का वसूली नोटिस

सिची चीफ भोपाल।

जिस वक्फ संपत्ति की आमदनी से गरीब, जरूरतमंद लोगों की मदद की जाना थी, उसको कमेटी के जिम्मेदार बनाए गए लोगों ने अपनी कमाई का जरिया बना लिया। बोर्ड की अनुमति या सूचना के बिना ही बड़ा निर्माण भी कराया गया और इसकी आमदनी को अपनी निजी आय मानते हुए खर्च भी कर दिया गया। अब बदली हुई व्यवस्था में मामले की जांच की गई तो पूर्व कमेटी पर सात करोड़ रुपये से ज्यादा वसूली निकाली गई है।

मप्र वक्फ बोर्ड पूर्व कमेटी के पदाधिकारियों को इस रकम के जमा करने का नोटिस जारी दिया है। मप्र वक्फ बोर्ड के इतिहास में संभवत- यह पहली बार हुआ है, जब किसी अपदस्थ कमेटी पर इतनी बड़ी रकम की वसूली का नोटिस जारी हुआ है।

मामला उज्जैन स्थित वक्फ दरगाह मदार गेट से जुड़ा है। यहां कार्यरत रही रियाज खान की अध्यक्षता वाली निवर्तमान कमेटी ने बरसों व्यवस्था संभाली, लेकिन मप्र वक्फ बोर्ड कुछ समय पहले यहां

कमेटी में बदलाव कर फैजान खान की अध्यक्षता में एक नई कमेटी गठित कर दी है। पुरानी और नई कमेटी के बीच लंबे समय तक विवाद भी चले हैं। नियुक्ति, पदभार और आय व्यय का ब्यौरा देने को लेकर कई अदालती मामले भी चले। इसके बाद अब ताजा मामला मप्र वक्फ बोर्ड द्वारा जारी किया गया नोटिस है।

यह है मामला

उज्जैन में मदार गेट स्थित लगभग 45 हजार वर्गफीट की इस वक्फ संपत्ति पर 115 दुकानें, 16 ऑफिस, 02 स्कूल, 01 मैरिज हॉल, मस्जिद और मजार हैं। यहां करीब 26 सालों से रियाज खान की अध्यक्षता वाली समिति प्रबंधन देख रही थी। कार्यालय द्वारा आदेश क्र 2655 दिनांक 2 अगस्त 23 पूर्व सदर के सम्पूर्ण कार्यकाल के लेखों के निरक्षण और परीक्षण करने के लिए जांच कमेटी गठित की गई थी।

मामला गड़बड़ है

गठित जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पूर्व कमेटी पदाधिकारियों द्वारा मदार गेट काम्प्लेक्स को निजी रूप से संचालित कर वर्षो से किराया उनकी जेब में जा रहा था। जांच में यह भी पाया गया कि पूर्व सदर रियाज खान द्वारा उक्त वक्फ भूमि पर वक्फ संपत्तियों के विकास की योजना के तहत 115 दुकानों, 02 स्कूल बिल्डिंग तथा 15 ऑफिस रूम एवम मैरिज हॉल का निर्माण वक्फ संपत्ति के रूप में कर लिया। इस काम्प्लेक्स निर्माण की जानकारी मप्र वक्फ बोर्ड को नही दी गई। किरायदारों से होनी वाली आय का हिसाबभी मप्र वक्फ बोर्ड को नहीं दिया गया। जांच में यह भी पाया गया कि वक्फ संपत्ति और उसकी आय का दुरुपयोग कपटपूर्वक प्रतिधारण करते हुए अनियमित तथा अप्राधिकृत तथा अनुचित व्यय किया गया है।

नाटिस जारी किए जा रहे

मप्र वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनव्वर पटेल ने कहा कि वक्फ संपत्तियों की निगरानी के लिए गठित की जाने वाली कमेटियां मनमाने तरीके से वसूली और खर्च कर रही हैं। इससे वक्फ का मकसद पूरा नहीं हो पा रहा है। प्रदेश की ऐसी सभी कमेटियों की जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने वालों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

अवैध कॉलोनियों की सूची तैयार 250 पर होगी कार्रवाई

सिची चीफ भोपाल।

जिले में अवैध कालोनियों को लेकर जिला प्रशासन द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देश पर सभी सर्कल के एसडीएम द्वारा अवैध कालोनियों की सूची तैयार की जा रही है।

अब तक 250 कालोनी चिह्नित की गई हैं अब इन पर जल्द ही कार्रवाई शुरू की जाएगी। सबसे पहले दो दर्जन अवैध कालोनियों को नोटिस दिए जाएंगे।बता दें कि सरकार के आदेश पर जिला प्रशासन द्वारा अवैध कालोनियों को अधिग्रहित कर इनमें विकास कार्य कराए जाएंगे।

जानकारी के अनुसार सभी एसडीएम ने अवैध कालोनाइजरों को नोटिस देने के लिए काम शुरू कर दिया है। पहले जिनके आदेश बन जाएंगे, उन्हें नोटिस भेजे जाएंगे।इस नोटिस के आधार पर उनको कुछ समय दिया जाएगा। जिससे वह कालोनी संबंधी जरूरी अनुमति जैसे कालोनाइजर का पंजीयन, डायवर्सन, टीएंडसीपी, रेरा और अन्य सभी दस्तावेज प्रस्तुत करना होंगे।यदि वह दस्तावेज प्रस्तुत कर देते हैं तो कार्रवाई से बच जाएंगे और दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं तो नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।कालोनी का अधिग्रहण किया जाएगा, ग्रामीण क्षेत्र में जिला प्रशासन और नगरीय क्षेत्र में नगर निगम कार्रवाई करेगा। कालोनाइजर पर एफआइआर दर्ज कराई जाएगी साथ ही यहां बचे हुए प्लाटों से प्राप्त राशि से सड़क, सीवेज, पानी, बिजली आदि सुविधाएं उपल्ब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा मकान बना चुके रहवासी विकास शुल्क जमा कर प्रापर्टी के दस्तावेज बनवा सकते हैं।

321 नियमित, फिर पनपी एक हजार

शहर में जिला प्रशासन के रिकार्ड में 576 अवैध कालोनियां है। इनमें से 321 को नियमित किया जा चुका है जबकि 255 के खिलाफ एफआइआर दर्ज हो चुकी है। प्रशासन के सर्वे में बीते डेढ़ वर्ष में तीन सौ कालोनियां नई मिली हैं लेकिन हकीकत में शहर की नगरीय सीमा और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग एक हजार अवैध कालोनियां विकसित हो चुकी हैं।

सर्वे किया जा रहा है

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के मुताबिक छह अवैध कालोनी पर कार्रवाई हो चुकी है। 250 की सूची तैयार हो गई है। सर्वे किया जा रहा है इनकी संख्या और बढ़ेगी। सभी अवैध कालोनियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लोकसभा चुनाव में लगे नेताओं का परफॉरमेंस रिव्यू करेगी बीजेपी

4 जून के बाद होगी समीक्षा बैठक, लीड घटी तो विधायकों की टेंशन बढ़ेगी

सिची चीफ भोपाल।

4 जून को लोकसभा चुनाव का रिजल्ट आने के बाद बीजेपी अपने नेताओं, पदाधिकारियों का रिव्यू करेगी। भोपाल में सभी लोकसभा की चुनाव प्रबंधन समितियों और विधानसभाओं की चुनाव प्रबंधन समिति के 38 विभागों की समीक्षा की जाएगी।

प्रदेश स्तर पर एमपी की सभी 29 लोकसभा सीटों के लोकसभा प्रभारी, संयोजक, विधायक, चुनाव प्रबंधन से जुड़े नेताओं के काम की समीक्षा की जाएगी। भोपाल में होने वाली रिव्यू मीटिंग में बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, सीएम डॉ मोहन यादव, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे।

विधायक भी टेंशन में

बीजेपी लोकसभा चुनाव के बाद इस बात की समीक्षा करेगी कि, चुनाव प्रबंधन में किस पदाधिकारी को क्या जवाबदारी दी गई थी और उसे जो टास्क दिए गए हैं वे कितने पूरे हुए हैं। इसके साथ ही यह देखा जाएगा कि किसके इलाके में कितने बूथ पार्टी ने जीते, खासकर विधायकों के क्षेत्र में यह तुलनात्मक रूप से

रिपोर्ट बनाकर समीक्षा की जाएगी कि 2023 के विधानसभा चुनाव में कितने बूथ जीते थे और लोकसभा चुनाव में उनमें से कितने बूथों पर हार मिली। यदि विधानसभा सीट पर लीड घटी तो विधायक से संगठन जवाब तलब कर सकता है।

लगातार निगरानी करती है भाजपा

बीजेपी के प्रदेश महामंत्री और विधायक भगवानदास सबनानी के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी संगठन की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं को देती है और उस कार्यकर्ता के काम की लगातार समीक्षा ये काम का हिस्सा है। चाहे लोकसभा का चुनाव हो या विधानसभा का चुनाव हो, छोटे चुनाव हों, या कोई अन्य दायित्व दिया है। तो उस दायित्व की समीक्षा की जाती है। क्योंकि, पार्टी जिस तेजी के साथ आगे बढ़ रही है तो इसमें हर स्तर पर कार्यकर्ता का मूल्यांकन होना और समीक्षा होना, कार्यकताओं की क्षमता को निखरना यह पार्टी के काम का एक हिस्सा है। इसके कारण पार्टी तेजी से आगे बढ़ रही है। सबनानी कहते हैं ये जो लोकसभा के चुनाव हुए हैं इनमें बड़ी सफलता मिलती दिख रही है। और सभी 29 लोकसभा में भाजपा जीतने वाली है। लेकिन हमारा कार्यकर्ता जिस काम के लिए तय किया गया था। उसने अपने काम को जिस खूबसूरती और मेहनत के साथ किया। इसका आंकलन भी पार्टी अपने स्तर पर करेगी।

अच्छा काम करने वालों को आगे बढ़ने के मौके

विधायक सबनानी कहते हैं पार्टी का एक बड़ा सिस्टम है। शक्ति केंद्र, मंडल स्तर से लेकर जिले के स्तर पर हर कार्यकर्ता के काम का आंकलन लगातार चलता है। उसके हिसाब से ही उसकी जिम्मेदारी तय है। फिर दी गई जिम्मेदारी की समीक्षा करने के बाद कार्यकर्ता का मूल्यांकन किया जाता है। इसी के कारण कार्यकताओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। जो काम हमें मिला उसे हमने समर्पण के साथ किया तो निश्चित तौर पर पार्टी आगे - पीछे फिर विचार करती है। लेकिन, दिए गए काम के प्रति जो लापरवाह रहते हैं।

कांग्रेस की नौ सदस्यीय जांच समिति दलितों के साथ हुई घटनाओं की करेगी जांच

सिची चीफ भोपाल।

भोपाल। कांग्रेस इन दिनों सागर जिले के खुरई विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बरोदिया नोनागिर में हुई घटना को लेकर एक्शन मूड में है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर सागर जिले की खुरई में घटित घटना सहित प्रदेश में अनुसूचित जाति एवं अनूसूचित जनजाति वर्ग पर हो रहे अत्याचारों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के लिए नौ सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया है। जो खुरई की घटना सहित प्रदेश की अन्य घटनाओं को संज्ञान में लेकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर प्रदेश कांग्रेस को प्रेषित करेगी।

प्रदेश कांग्रेस द्वारा बनाई गई कमेटी में पूर्व मंत्री विधायक बाला बच्चन, फूलसिंह बरैया, सोहन वाल्मीकि, झूमा सोलंकी, नारायण पट्टा, प्रदीप अहिरवार अध्यक्ष अनुसूचित जाति विभाग मप्र कांग्रेस, सुरेन्द्र चौधरी पूर्व विधायक, आनंद अहिरवार अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी, सागर ग्रामीण, किरण अहिरवार पूर्व लोकसभा प्रत्याशी, टीकमगढ़ को जांच समिति का सदस्य बनाया गया है।

दिग्विजय और जीतू पटवारी परिवार से कर चुके हैं मुलाकात

गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ग्राम बरोदिया नोनागिर पीड़ित परिवार से मुलाकात करने पहुंचे थे। जीतू पटवारी ने कहा है कि पीड़ित परिवार कि स्थिति बहुत दयनीय एवं क्षेत्र में भयावह माहौल देखने को मिला। प्राप्त शिकायत के अनुसार दबंग आरोपियों को स्थानीय

नेतृत्व का संरक्षण प्राप्त है। इसके चलते प्रशासन कोई भी निष्पक्ष कार्रवाई करने में असमर्थ है। पटवारी ने कहा है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव बीते 29 मई 2024 को पीड़ित परिवार से मुलाकात करने पहुंचे, परंतु उनके साथ वह स्थानीय नेता भी मौजूद रहे। जिन पर आरोपियों को संरक्षण देने का आरोप है। ऐसी स्थिति में पीड़ित परिवार द्वारा मुख्यमंत्री को वस्तुस्थिति कि जानकारी देना संभव रही होगी?

जांच रिपोर्ट आने के बाद मुख्यमंत्री से करेंगे मुलाकात

घटनाओं की रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में शीघ्र ही जांच समिति के सदस्यों का प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री से मुलाकत कर प्रदेश की बदहाल कानून व्यवस्था से अवगत करा पीड़ितों को उचित न्याय की मांग की जाएगी।

साम्पदकीय

पच्चीस साल बाद शरीफ के कबूलनामे के मायने

पाकिस्तान के पूर्व पीएम शरीफ ने अपनी पार्टी की एक बैठक में स्वीकार किया कि 28 मई, 1998 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्षण किए थे। उसके बाद, वाजपेयी साहब यहां आए और हमारे साथ एक समझौता किया लेकिन हमने उस समझौते का उल्लंघन किया... यह हमारी गलती थी।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने स्वीकार कर लिया है कि पाकिस्तान ने 1999 के लाहौर समझौते का उल्लंघन किया था। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। नवाज शरीफ ने परोक्ष रूप से जनरल परवेज मुशर्रफ के कारगिल में घुसपैठ का जिक्र करते हुए कहा कि यह हमारी गलती थी। पाकिस्तान के पूर्व पीएम शरीफ ने अपनी पार्टी की एक बैठक में स्वीकार किया कि 28 मई, 1998 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्षण किए थे। उसके बाद, वाजपेयी साहब यहां आए और हमारे साथ एक समझौता किया लेकिन हमने उस समझौते का उल्लंघन किया... यह हमारी गलती थी।

निश्चित ही इसे भारत व पाक के संबंधों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण कहा जा सकता है। पाक के पूर्व प्रधानमंत्री तथा वर्तमान सत्ता की धुरी नवाज शरीफ ने अब पच्चीस साल बाद माना है कि उनके देश ने 1999 के लाहौर घोषणापत्र का उल्लंघन किया था। निश्चित रूप से इस स्वीकारोक्ति ने एक बार फिर कारगिल युद्ध के गहरे जख्मों को फिर से हरा कर दिया है। दरअसल, मंगलवार को सत्तारूढ़ पीएमएल-एन के अध्यक्ष पद की ताजपोशी के वक्तपार्टी की जनरल कार्डसिल की बैठक में नवाज शरीफ ने यह बात कही। अपरोक्ष रूप से पाकिस्तान ने स्वीकार किया है कि भारत की पहल पर शुरू की गई शांति की पहल को इस घटनाक्रम ने पलीता लगाया था। यह एक हकीकत है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शांति प्रयासों व उनकी लाहौर यात्रा को कारगिल के घात से आघात लगा था। जिसके चलते 21 फरवरी 1999 को हस्ताक्षरित लाहौर घोषणा से क्षेत्र में शांति व स्थिरता की कोशिशों पर पानी फिर गया था। समझौते के कुछ ही महीने बाद पाक सेना के संरक्षण में पाक घुसपैठियों की कोशिश ने फिर एक युद्ध जैसा रूप ले लिया था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि शरीफ द्वारा पिछली गलती को स्वीकार करना क्या संबंधों में विश्वास बहाली का मार्ग प्रशस्त करना है या फिर कोई दुरभिसंधि की कोशिशें हैं? क्या वे पाक हुकमरानों को फिर से भारत के प्रति अपने दृष्टिकोण के पुनर्मूल्यांकन के लिए प्रेरित कर रहे हैं? क्या शरीफ का नेतृत्व आत्मनिरीक्षण के जरिये दोनों देशों के संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की ईमानदार कोशिश कर रहा है? बहरहाल, भारत व पाक संबंधों की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर शरीफ का कबूलनामा व्यापक भू-राजनीतिक संदर्भों में महत्वपूर्ण पहल कही जा सकती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष 2019 के पुलवामा हमले के बाद दोनों देशों के राजनयिक संबंध बेहद खराब दौर में पहुंच गए थे। जिसके बाद दोनों देशों ने अपने मिशनों का स्तर तक कम किया था।

बहरहाल, अस्थिरता से घिरे इस क्षेत्र में नवाज शरीफ की हालिया टिप्पणी संबंधों में सुधार-सुलह के लिए एक नई खिड़की तो खोलती ही है। निश्चित रूप से वक्त का तकाजा है कि ऐतिहासिक कटुताओं को पार्श्व में रखकर कूटनीतिक रणनीतियों पर नए सिरे से विचार किया जाए। यह भी जरूरी है कि बातचीत के लिए नए रास्ते तलाशने हेतु इस मौके को अवसर में बदला जाए। भले ही पाकिस्तान आर्थिक व राजनीतिक रूप से बेहद कमजोर स्थिति में हो, हमें भविष्य मे शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की संभावनाओं को फिर से परिभाषित करने का प्रयास करना चाहिए। शरीफ के बयान को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए कि फिलहाल पाकिस्तान में नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री हैं। साथ ही नवाज सत्तारूढ़ दल पीएमएल-एन के अध्यक्ष चुने गए हैं। कहीं न कहीं शरीफ के हालिया बयान का एक निष्कर्ष यह भी हो सकता है कि पाकिस्तान में लोकतांत्रिक ढंग से चुनी सरकारें तो दोनों देशों के बेहतर संबंध बनाने के लिए प्रयत्नशील रहती हैं लेकिन ऐसी कोशिशों को पलीता लगाने का काम पाक सेना करती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारत पर हुए तमाम बड़े आतंकवादी हमले बिना पाक सेना की ट्रेनिंग व मदद के संभव नहीं थे। आतंकवादियों को मिला परंपरागत सेना जैसा प्रशिक्षण ही भारतीय सेना व सुरक्षा बलों के लिए मुश्किलें पैदा करता रहा है। हाल-फिलहाल भी सेना परदे के पीछे से पाकिस्तान की सियासत को नियंत्रित करती रही है। हालांकि, भारत ने वर्ष 2014 के बाद भी पाक से संबंध सुधारने के प्रयास किये थे, लेकिन राजग सरकार का मानना रहा है कि आतंकवादियों पर सख्त नियंत्रण के बिना संबंध सामान्य बना पाना संभव नहीं है। पठानकोट व पुलवामा के हमलों ने यह दर्शाया कि पाक बात व घात के खेल को साथ-साथ चलाना चाहता है।

मुस्लिम साझेदारी सुधारने का सवाल

अठारहवें लोकसभा चुनाव में मुस्लिम उम्मीदवारों की संख्या में गौरतलब गिरावट भारतीय चुनावी राजनीति की दो दिलचस्प दिशाओं को रेखांकित करती है। अव्वल तो यही लगता है कि सियासी दल वास्तव में पेशेवर हो गए हैं। उन्होंने जीतने की क्षमता को ही प्रत्याशी चयन का पैमाना बना लिया है। दलों की टिकट वितरण व्यवस्था अब किसी वैचारिक प्रतिबद्धता से निर्देशित नहीं होती है। इसके बजाय, जाति, धर्म को ज्यादा महत्व दिया जाता है। सिर्फ राजनीतिक साख के लिए किसी मुस्लिम को टिकट देना अब व्यावहारिक रूप से कठिन हो गया है। दूसरी, राजनीति के प्रमुख आख्यान के रूप में हिंदुत्व-संचालित राष्ट्रवाद के उद्भव ने गैर-भाजपा दलों पर भी असर डाला है। ये दल खासकर राजनीतिक सदंर्भों में महज मुस्लिम पहचान या छवि से बचने लगे हैं। भाजपा अपने अब तक के प्रयासों से यह धारणा बनाने में सफल रही है कि अतीत में विपक्षी दलों ने मुसलमानों का तुष्टीकरण किया है और इससे हिंदू हित कमजोर हुआ है। कोई भी पार्टी नहीं चाहेगी कि वह सिर्फ मुस्लिम समर्थक के रूप में पहचानी जाए। वैसे, आज के भारत में मुसलमानों के सियासी हाशिये पर होने का जवाब तलाशते हुए उनकी समाजशास्त्रीय विविधता के साथ-साथ कानूनी-सांविधानिक ढांचे पर भी हमें ध्यान देना चाहिए। एक समय था, जब जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में उत्तर-औपनिवेशिक सरकार इस मोर्चे पर स्पष्ट थी। वह मुसलमानों को सांविधानिक अल्पसंख्यक के रूप में मान्यता देने और उनकी रक्षा करते हुए सांप्रदायिक राजनीति से छुटकारा पाने की इच्छुक थी। सांप्रदायिक राजनीति की वजह से ही देश विभाजित हुआ था। इस परस्पर विरोधी लगने वाले मुद्दे से निपटने के लिए एक अलिखित मानदंड बनाया गया था। नागरिकों के एक समूह को मतदाता के रूप में देखते हुए प्रतिनिधित्व की धर्मनिरपेक्ष अवधारणा बनाई गई थी।

वैसे, जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 साफ कहता है कि धर्म को चुनावी प्रक्रियाओं से अलग रखना चाहिए। असंख्य मतदाताओं की धर्मनिरपेक्ष सोच ने कम से कम सैद्धांतिक रूप से एक संभावना पैदा की कि मुस्लिम मतदाता सिर्फ मुस्लिम उम्मीदवारों को वोट नहीं करेंगे। दूसरे शब्दों में कहें, तो नेहरूवादी सरकार ने निर्वाचित निकायों में पृथक मुस्लिम प्रतिनिधित्व को दृढ़ता से हतोत्साहित किया था। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि सामूहिक मुस्लिम हितों की अनदेखी की गई। धर्मनिरपेक्ष भारत में मुस्लिम भागीदारी के लिए दो महत्वपूर्ण तंत्र अपनाए गए। सबसे पहले, राज्यसभा और राज्य विधान परिषदों से मुस्लिम नेताओं को लाने का तरीका आजमाया गया। बाद में भारतीय जनसंघ और भाजपा भी अपने मुस्लिम नेताओं को राज्यसभा के रास्ते ही आगे लेकर आई। दूसरा, धर्मनिरपेक्ष भारतीय संस्कृति के एक अभिन्न पहलू के रूप में मुस्लिम उपस्थिति की सराहना की गई।

राजनीतिक विसंगतियों से बचे नई लोकसभा

नई संसद को लेकर विमर्श प्रारंभ हो गया है और होना भी चाहिए। यह भी याद रखना जरूरी है कि आज भारत का हर नागरिक विश्व में अपने देश के सम्मान को लेकर गौरवान्वित है। देश के भविष्य को लेकर वह काफी आशावान है।

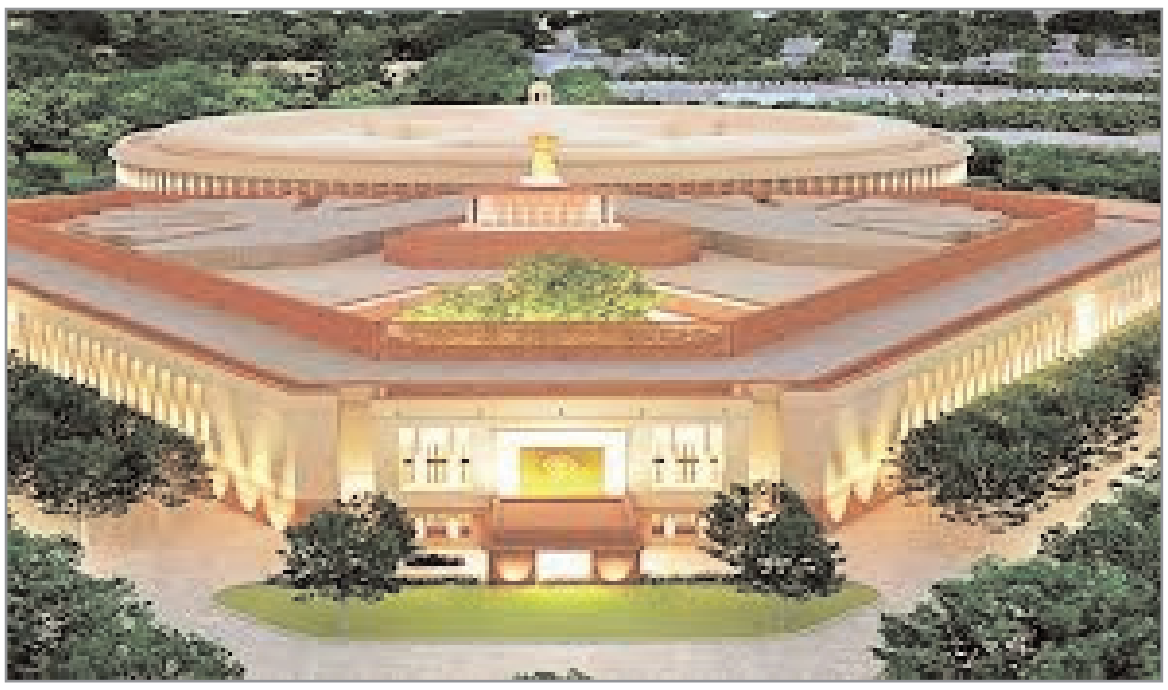

अठारहवीं लोकसभा के गठन के लिएहो रहे चुनाव अब अंतिम चरण में हैं। अब चुनाव परिणामों पर सबकी निगाहें लगी है, इसी के साथ नयी लोकसभा कैसी हो, किस तरह से राजनीतिक विसंगतियों से उसे बचाकर एक नये आदर्श लोकसभा का गठन हो, ताकि आजादी का अमृतकाल स्वर्णिम एवं सार्थक बन सके। वर्ष 2047 तक भारत की यात्रा परिवर्तन, संभावनाओं एवं अवसरों से भरी है। व्यापक लोकतांत्रिक सुधारों, समग्र विकास, आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाकर एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये प्रतिबद्धता, रणनीतिक योजनाओं, सही समन्वय एवं नयी लोकसभा के सदस्यों के आपसी संवाद की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृतकाल की पूर्णता तक पहुंचने से पहले देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र एक जीवित तंत्र है, जिसमें सबको समान रूप से अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार चलने की पूरी स्वतंत्रता होती है। लोकतंत्र की नींव जनता के मतों पर टिकी होती है। नागरिकों की आशा-आकांक्षाओं के अनुरूप प्रशासन देने वाला, संसदीय प्रणाली पर आधारित इसका मजबूत संविधान है। लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों के टूटते-बिखरते की स्थितियों और राजनीतिक प्रक्रिया के कारण आम लोगों में अरुचि और अलगाव बहुत साफ दिखाई देता है, इसके कुछ और भी अनेक कारणों में मुख्य है- समानता लोकतंत्र का हृदय है, लेकिन असमानता ही चहूं ओर दिखाई दे रही है। वोटों के गलियारे में सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने की होड और येन-केन-प्रकारेण वोट बटोरने के मनोभाव ने इस उन्नत शासन प्रणाली को कमजोर किया है, जिसकी झलक इन चुनावों में हमने बढ़-चढ़ कर देखी है।

नई संसद को लेकर विमर्श प्रारंभ हो गया है और होना भी चाहिए। यह भी याद रखना जरूरी है कि आज भारत का हर नागरिक विश्व में अपने देश के सम्मान को लेकर गौरवान्वित है। देश के भविष्य को लेकर वह काफी आशावान है। दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने को लेकर उत्साहित है। इनकी आशाओं पर खरा उतरने की चुनौती आम चुनावों में सफल होकर प्रधानमंत्री और सांसद बनने वालों के सामने है। इसमें दो राय नहीं कि सकारात्मक नेतृत्व ही व्यक्ति और राष्ट्र को नई प्रेरणा देता है। ऐसे में नवनिर्वाचित सांसदों को सक्रिय संवाद की परम्परा को पुनर्जीवित करने का प्रयास दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करने की अपेक्षा है। इसी से निर्वाचित प्रतिनिधियों की साख एवं स्वीकार्यता बढ़ेगी एवं इसीसे भारत के लोकतंत्र को अपेक्षित गरिमा एवं जीवंतता मिल सकेगी। नयी गठित होने वाली लोकसभा के सामने यह बड़ी चुनौती है। यह चुनौती बड़ी इसलिए है कि राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है। कई राजनीतिक दल तो पारिवारिक उत्थान और उन्नयन के लिये व्यावसायिक संगठन बन चुके हैं। सामाजिक एकता की बात कौन करता है। आज देश में भारतीय कोई नहीं नजर आ रहा क्योंकि उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, महाराष्ट्रीयन, पंजाबी, तमिल की पहचान भारतीयता पर हावी हो चुकी है। वोट बैंक की राजनीति ने सामाजिक व्यवस्था को क्षत-विक्षत करके रख दिया है। ऐसा लगता है कि सब चोर एक साथ शोर मचा रहे हैं और देश की जनता बोर हो चुकी हैं।

लोकतंत्र में जनता की भागीदारी केवल वोट देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। जनता के स्वतंत्र लिखने, बोलने और करने की स्वतंत्रता का हनन करने वाले शासकों ने इस शासन प्रणाली को ही धुंधला दिया है। शासक ही सोचेगा, शासक ही बोलेगा और शासक ही करेगा- ऐसी घोषणाओं के द्वारा शासक ने जनता को पंगु, अशक्त और निष्क्रिय बनाया है इसका खासतौर से मध्यवर्ग, कामकाजी प्रोफेशनल्स और युवा आबादी में गहरा असंतोष है। शायद यही वजह है कि आज मुश्किल से ही कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है, जिसकी राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी हो। गौरतलब है कि शहरीकरण और इकनॉमिक ग्रोथ के साथ-साथ ऐसे लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। एक तरह से लोकतंत्र जैसी स्वस्थ और आदर्श शासन प्रणाली भी प्रश्नों के घेरे में है। अब आवश्यकता इस बात की भी है कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास हो और मतदान के साथ-साथ नागरिक सजगता का भी विकास हो।

लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने, चुनाव की खामियों को दूर करने एवं नये लीडर उभारने के प्रयास करने होंगे। आम जनता की सजगता नयी बनने वाली सरकार एवं नये सांसदों की नीतियां और नियत क्या है इस पर भी केन्द्रित हो। वोट देने के बाद हमारे शासक कर क्या रहे हैं, इस पर नजर रखे बिना सजगता संभव नहीं है। सोशल मीडिया में भीड़ है, वह तख्ता पलट तो कर सकती है लेकिन उसके बाद का काम नहीं कर सकती। लिहाजा मतदान पहला कदम है अंतिम नहीं। लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिये जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी से सरकार बनें और सही तरीके से चले भी। अच्छे लोग राजनीति में रूचि नहीं रखते। नागरिक सजगता की कमी इसी समझदार वर्ग में भी कम नहीं है। लोकसभा में अपराधियों की बढ़ती संख्या भी चिंता का विषय है। चुनाव आयोग पार्टियों को पंजीकृत तो कर सकता है लेकिन नियंत्रित नहीं। यह काम जागरूक नागरिक ही कर सकतें है अतः वे उठें और अपना कर्तव्य निभाएं। निष्क्रिय राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द होना चाहिए।

लोकतंत्र की यह दुर्बलता है कि सांसदों-विधायकों का चुनाव अर्हता, गुणवत्ता एवं योग्यता के आधार पर न होकर, दल या संस्था के आधार पर होता है। इससे राजनीति स्वस्थ नहीं बन सकती और न ही राजनीति में स्वस्थ, योग्य एवं प्रतिभासंपन्न उम्मीदवारों का चयन होता है। सही व्यक्ति की खोज वर्तमान राजनीति की सबसे बड़ी जरूरत है। स्वस्थ राजनीति में ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता इसलिये भी है ताकि लोकतंत्र को हांकने वाला निष्पक्ष हो, सक्षम हो, सुदृढ़ हो, स्पष्ट एवं सर्वजन हिताय का लक्ष्य लेकर चल सके। ऐसी व्यवस्था भी नियोजित की जानी चाहिए है जिसमें स्वतंत्र विचारों वाले जागरूक नागरिकों द्वारा हर सरकार के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए। यह उन्हें अपनी चुनावी घोषणाओं या जीतने के बाद किए गए वायदों के प्रति उत्तरदायी बनाएगा। हमें ऐसे मंच तैयार करने चाहिए जो भारत के उन युवाओं, प्रफेशनल्स और ऊजार्वान नागरिकों को एक साथ लाएं और आपस में जुड़ने का अवसर दें, जो इस देश की तस्वीर बदलना तो चाहते हैं लेकिन ऐसा कर नहीं पाते क्योंकि उनके पास मंच नहीं है। भावी नेतृत्व को तैयार करने के लिए हमें उनकी ऊर्जा को सही चैनल देने की पहल करनी होगी। यही युवा, सक्रिय नागरिक और प्रफेशनल अपने पेशे, अपने तौर-तरीकों और नागरिकों मूल्यों की वजह से दूसरों के लिए रोल मॉडल की भूमिका निभायेंगे। यही लोग अगली पीढ़ी के लिए पथ-प्रदर्शक बन जायेंगे। हमें भारत के विशाल प्रांगण में हर कोने में ऐसे लोगों की तलाश करनी होगी। ऐसे लोगों की तलाश और उन्हें लोकतंत्र के प्रशिक्षण का समुचित प्रबंध होना जरूरी है। लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिये और नये लीडर तलाशने के लिये जरूरी है कि राजनीति के प्रशिक्षण का उपक्रम विभिन्न स्तरों पर संचालित होना चाहिए। न्यूनतम योग्यता एवं न्यूनतम प्रशिक्षण तय होना चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर कृषि, ग्रामीण रोजगार, शिक्षा, वित्तीय अनुशासन, स्वास्थ्य और कुपोषण, जवाबदेही और पारदर्शिता, चुनाव और पुलिस सुधार, मानवाधिकारों की रक्षा और संसाधनों का बराबर इनका मिशन होना चाहिए। इसलिए परिवर्तन के लिए पहले ऐसे लीडर तैयार करने होंगे। सेमिनारों, वाद-विवादों और महत्वपूर्ण मुद्दों पर राय मांगकर उनकी पहचान की जा सकती है। लीडरों का सशक्तीकरण करें, ताकि वे बदलाव के वाहक बन सकें। ऐसे दूसरे संगठनों और दबाव समूहों की पहचान करें जो अराजनीतिक और अनौपचारिक तंत्र के हिस्से हों, जैसे एनजीओ और उन्हें नीतियों के निर्माण और उनके आकलन में सहभागी बनाएं।

झुलसाती हवा का बढ़ता इलाका

हर साल मई के आखिरी पखवाड़े से लेकर जून के अंत तक, जब तक मानसून गंगा के मैदानी इलाकों में नहीं आ जाता, उत्तर भारत में गरमी सामान्य मौसमी परिघटना है। इन दिनों दिल्ली, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, बंगाल जैसे तमाम राज्य तपते रहते हैं। यह मानसून में तेजी लाने के लिए आवश्यक भी माना जाता है, क्योंकि गरमी जितनी तेज होती है, अरब सागर से उतना ही मजबूत मानसून भारत को भिगोता है। मगर अब जरूरत से अधिक गरमी पड़ने लगी है और तापमान 50 डिग्री के पार जाने लगा है। भारत के कई शहर तो पहले से अधिक गरम हो चले हैं। आखिर क्यों?

दरअसल, इसकी बड़ी वजह जलवायु में लगातार हो रहा बदलाव है। जलवायु परिवर्तन के कारण अब हर मौसम पिछला रिकॉर्ड तोड़ता नजर आता है। इसी साल जनवरी पिछले वर्ष के जनवरी माह से अधिक गरम था। फरवरी, मार्च या अप्रैल महीने की भी यही कहानी रही। स्थिति यह है कि वैश्विक गरमी 1.2 डिग्री सेल्सियस तापमान की सीमा को पार कर चुकी है, जबकि समुद्र तटों के किनारे के देश साल 2100 तक वैश्विक गरमी को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोकने के हिमायती हैं। पेरिस समझौते में भी वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस कम करने पर सहमति बनी थी, लेकिन नतीजा अब भी सिफर ही दिख रहा है।

जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) का कहना है कि जब तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होती है, तो हीट वेव की आवृत्ति (आने की दर), समय और प्रभाव में कम से कम दोगुना का इजाफा होता है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में हीट वेव आने की दर बढ़ गई है। पहले झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र जैसे राज्य ही इसकी चपेट में आते थे, लेकिन अब तेलंगाना, उत्तरी कर्नाटक जैसे इलाके भी मार्च-अप्रैल से ही बेहिसाब गरमी झेलने को मजबूर हैं। सरकारों ने तो पहले से ही इससे लड़ने की तैयारियां शुरू कर दी थीं।

बहरहाल, तापमान का बढ़ना और गरमी की तपन महसूस करना, दोनों अलग चीजे हैं। आपने खबरों में भी देखा होगा कि कहीं तापमान तो कम होता है, लेकिन गरमी अधिक महसूस होती है। यह काफी हद तक नमी पर निर्भर करता है। यदि वातावरण में नमी कम हो, तो शुष्क, यानी सूखी गरमी पड़ती है, जिसमें कूलर, पंखा आदि से राहत मिल जाती है। मगर जब तापमान के साथ नमी भी होती है, तो हमारे शरीर से काफी ज्यादा पसीना निकलने लगता है और 35-36 डिग्री सेल्सियस तापमान भी 40 डिग्री के समान महसूस होने लगता है। ऐसी उमस में एयर कंडिशनर ही कारगर साबित होता है। उल्लेखनीय है कि तापमान मापने का तरीका बिल्कुल सामान्य है। शहर की कुछ जगहों पर इसकी मशीनें लगाई जाती हैं, जिनमें थर्मामीटर की तरह तापमान मापने वाला यंत्र होता है। वही हवा की गति भी माप लेता है।

अभी विशेषकर उत्तर भारत में तापमान में जो उछाल दिखने को मिल रहा है, उसमें जल्द ही कुछ राहत मिल सकती है। अगले तीन-चार दिनों में जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ आ सकता है। दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में तो बुधवार की शाम हल्की बारिश भी हुई। इस विक्षोभ से राजस्थान को छोड़कर शेष मैदानी इलाकों में कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि, इसका असर भी तीन-चार दिनों तक ही रहेगा, फिर सूरज पहले की तरह आग बरसाने लगेगा। यह स्थिति कमोबेश मानसून आने तक बनी रहेगी।

बढ़ती गरमी मानव स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाती है। जिस तरह 98.5 फारेनहाइट तापमान के बाद शरीर में हलचल तेज हो जाती है, उसी तरह 37 डिग्री से अधिक का तापमान शरीर को बेचैन कर सकता है। इसके बाद मुख्यतः बेहतर प्रतिरोधक क्षमता ही गरमी का मुकाबला करती है। चूंकि बच्चे और बुजुर्गों में यह क्षमता कम होती है, इसलिए उनके साथ-साथ उन लोगों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है, जो पहले से बीमार होते हैं। हालांकि, सावधानी सामान्य आदमी को भी रखनी चाहिए, क्योंकि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाता है, तो शरीर में पानी घटने लगता है और शारीरिक क्षमता घटकर आधी रह जाती है। यही कारण है कि गरमी के महीने में पानी अधिकाधिक पीने और मौसमी फलों का सेवन करने को कहा जाता है। नारियल, खीरा, तरबूज, ककड़ी, खरबूजा जैसे फल शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में सक्षम होते हैं।

एक यह सावधानी भी बरतने को कहा जाता है कि सुबह 11 बजे से लेकर शाम चार बजे तक धूप के एक्सपोजर से बचना चाहिए। महानगरों व बड़े शहरों में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) तमाम तरह के दिशा-निर्देश लागू करता है। जैसे, इस बार अस्पतालों को अपने 100 बेड लू के शिकार लोगों के लिए खाली रखने के निर्देश दिए जा चुके हैं। बच्चों के वार्ड अस्पताल के शीर्ष तल पर न रखने के निर्देश भी हैं, क्योंकि तेलंगाना में 2017 में कई नवजातों की हुई मौत के बाद अध्ययन में यही बात सामने आई थी कि संबंधित अस्पतालों ने नवजातों को शीर्ष तल पर रखा था, जहां गरमी तुलनात्मक रूप से अधिक थी।

इसी तरह, खुले में काम करने वाले श्रमिकों, निर्माण-कारीगरों, निगम कर्मचारी, सफाईकर्मियों, कूड़ा बीनने वालों आदि को अपना काम सुबह 10 बजे तक खत्म कर लेना चाहिए और 11 बजे से चार बजे तक खुले में काम करने से बचना चाहिए। उन कंपनियों में भी दिन में छुट्टी देने की व्यवस्था की जाती है, जहां की छत गरमी से बचने के लिए नाकाफी मानी जाती है।

सवाल है कि आखिर इस बढ़ते तापमान को रोकें कैसे? इसका एक समाधान वृक्षारोपण है। इसके लिए सरकारों को आगे आना होगा। शहर में जहां हरियाली है, वहां उसे बढ़ाने की व्यवस्था करनी होगी। पार्क में वृक्षों की सघनता बढ़ानी होगी और उनकी कटाई रोकनी होगी। तापमान कम करने के लिए पार्कों के अंदर की झीलों के आसपास भी हरियाली बढ़ानी चाहिए। बेंगलुरु, हैदराबाद में तो तापमान को नियंत्रित करने के लिए रिसाइकिल वाटर, यानी दूषित जल को इस्तेमाल के लायक बनाकर पार्कों में इस्तेमाल किया जा रहा है। जाहिर है, इस तरह के प्रयास तमाम जगहों पर करने होंगे। एक समग्र रणनीति ही बढ़ते तापमान की तपिश से हमारी सुरक्षा कर सकती है।

कोलकाता में वोट डालने के लिए 40 मिनट तक कतार में खड़े रहे मिथुन, बोले- यह मेरा कर्तव्य था

आज, शनिवार 1 जून को लोकसभा चुनाव 2024 सातवां और आखिरी चरण है। इस दौरान अभिनेता और भारतीय जनता पार्टी के नेता मिथुन चक्रवर्ती कोलकाता में अपना वोट डालने के लिए निकले। उन्होंने कोलकाता के बेलगछिया में एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। वोट डालकर निकले अभिनेता ने वहां मौजूद मीडियाकर्मियों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि वे वोट डालने के लिए 40 मिनट तक कतार में खड़े रहे, क्योंकि वह अपना कर्तव्य निभाना चाहते थे।

अभिनेता ने वोट के लिए कतार नहीं तोड़ी

अभिनेता-राजनेता की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामने आए हैं। इस दौरान वे काले रंग का कुर्ता, टोपी और धूप का चश्मा पहने नजर आ रहे हैं। मतदान केंद्र के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, %एक नागरिक के तौर पर वोट देना मेरा कर्तव्य है और मैंने वोट दिया। मैंने 40 मिनट तक कतार में इंतजार किया और फिर अपना वोट डाला। लोगों ने मुझसे कहा कि मैं आगे बढ़ूं और वोट देने के लिए कतार तोड़ दूं, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया।

अब फिल्मों के बारे में बात करेंगे अभिनेता

मिथुन चक्रवर्ती ने खुलासा किया कि अब वे राजनीति के बारे में बात नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, मैंने अपने राजनीतिक कर्तव्य पूरे कर लिए हैं और अब से मैं केवल फिल्मों के बारे में ही बात करूंगा। मिथुन ने कहा कि मैं बीजेपी का कार्यकर्ता हूं, मैंने अपना कर्तव्य निभाया है। मैं कल से फिल्मों के बारे में बात करूंगा, क्योंकि मुझे अपने परिवार का पेट भी पालना है।

मिथुन का राजनीतिक करियर

वहीं बात करें अभिनेता के राजनीतिक करियर की तो मिथुन 2014 में राजनीति में शामिल हुए थे, जब उन्हें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्यसभा सांसद के लिए नामित किया था। दिसंबर 2016 में उन्होंने राज्यसभा सांसद के रूप में इस्तीफा दे दिया और मार्च 2021 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। वहीं बात करें मिथुन चक्रवर्ती के वर्कफ्रंट अभिनेता को आखिरी बार डांस रियलिटी शो डांस बांग्ला डांस में जज के रूप में देखा गया था।

शरवानंद की फिल्म मनामे पर आया बड़ा अपडेट, डिजिटल तौर पर ट्रेलर रिलीज करेंगे ये सुपरस्टार

शरवानंद तेलुगु-तमिल फिल्मों के जाने माने अभिनेता हैं। उन्होंने साल 2004 से फिल्म ऐंधो तारीखू से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। अब एक बार फिर वह दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी फिल्म मनामे जल्द ही रिलीज होने वाली है। अभिनेता के फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल में ही फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

शरवानंद ने फिर जताया राम चरण के प्रति स्नेह बीते कुछ दिनों पहले, शरवानंद, कार्तिकेय की फिल्म भजे वायु वेगम के प्री-रिलीज इवेंट में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने सुपरस्टार राम चरण के लिए एक बार फिर से आदर प्रकट किया था। उन्होंने कहा था कि वह टॉलीवुड के अन्य नायकों की तुलना में राम चरण को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने ऐसा कह कर राम चरण के फैंस का दिल जीत लिया था। अब उनकी अगली फिल्म से राम चरण का नाम भी जुड़ रहा है।

डिजिटल ट्रेलर लॉन्च करेंगे राम चरण निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट 7 जून को तय की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का ट्रेलर कल थिएटर में रिलीज किया जाएगा। वहीं, राम चरण डिजिटल तौर पर फिल्म का ट्रेलर लॉन्च करेंगे। इसके अलावा हैदराबाद के एएए सिनेमा में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। फिल्म की टीम बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर फिल्म का ट्रेलर लॉन्च करने वाली है।

मनामे में बतौर अभिनेत्री दिखेंगी कृति शेट्टी बता दें कि शरवानंद के अलावा कृति शेट्टी इस फिल्म में बतौर मुख्य अभिनेत्री नजर आएंगी। शरवानंद की आगामी फिल्म मनामे एक पारिवारिक ड्रामा होने वाली है। फिल्म में भावनाओं और रिश्तों का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। मेकर्स को फिल्म से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। फिल्म का निर्माण टीजी विश्व प्रसाद की पीपल मीडिया फैक्ट्री और रैमसे स्टूडियो ने किया है। इसके अलावा फिल्म का संगीत हेशाम अब्दुल वहाब ने दिया है।

चिलचिलाती धूप में लाइन में खड़े होकर रवि किशन ने डाला वोट

बोले- वीआईपी संस्कृति को खत्म करना है

उन्होंने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमें यही सिखाया है कि हम जनता के सेवक हैं, हम वीआईपी नहीं हैं। रवि किशन ने कहा, पीएम मोदी ने आते ही लाल बत्ती की अवधारणा को खत्म करके भारत में वीआईपी संस्कृति को खत्म कर दिया। जब आपका सिर इतना जमीन से जुड़ा हो, तो आपको एक आम आदमी ही रहना चाहिए।अभिनेता ने आगे कहा, मैं अब दूसरों से ऊपर नहीं हूं और विनम्र रहना पसंद करता हूं। पीएम मोदी ने भारत में वीआईपी संस्कृति को खत्म कर दिया है और देश की राजनीति को बदल दिया है। यह हमारी संस्कृति है और हमें इसका पालन करना चाहिए। वोट डालने के बाद उन्होंने कहा, मैंने विकसित भारत, राम राज्य और भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए अपना वोट दिया है।इससे पहले, एक्स पर एक वीडियो संदेश में किशन ने मतदाताओं से लोकतंत्र के उत्सव में अपना वोट डालने का आग्रह किया। रवि किशन ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा,

मित्रों, आप सभी को ज्ञात होगा कि आज गोरखपुर में लोकसभा आम चुनाव के सातवें चरण के तहत मतदान हो रहा है। इस अवसर पर मैं आप सभी गोरखपुर के भाग्य विधाता देवतुल्य मतदाताओं से विनम्र निवेदन करता हूं कि एक जागरूक मतदाता के रूप में अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए लोकतंत्र के इस महापर्व में अपने मताधिकार का प्रयोग करें।उन्होंने कहा, आपका हर वोट महत्वपूर्ण है और यह आपकी लोकसभा और देश का भविष्य तय करेगा, इसलिए मैं आप सभी से एक बार फिर लोकतंत्र के इस उत्सव में उत्साह से भाग लेने की अपील करता हूं।

राजामौली और महेश बाबू की फिल्म पर आया बड़ा अपडेट, इस दिन से शुरू होगी शूटिंग

एस.एस. राजामौली देश के सबसे यादा चर्चित निर्देशकों में से एक हैं। उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों का निर्देशन किया है। मगधीरा, ईगा, बाहुबली और आरआरआर से उन्होंने अपनी निर्देशन क्षमता का लोहा मनवाया है। आरआरआर की वैश्विक सफलता के बाद वह एक बार फिर अपनी फिल्म से धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। वह साउथ के सुपरस्टार महेशबाबू के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम कर रहे हैं। फिलहाल फिल्म का अस्थायी शीर्षक एसएसएमबी 29 रखा गया है। फिल्म से जुड़ी जानकारियां लगातार सामने आ रही हैं। एक बार फिर फिल्म की शूटिंग को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

अगस्त के अंत तक फ्लोर पर जा सकती है एसएसएमबी 29 राजामौली देश के शीर्ष निर्देशकों में से एक हैं। उनकी पिछली फिल्म आरआरआर को विश्व स्तर पर काफी पसंद किया गया। इस फिल्म के गाने नाटू-नाटू को बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग की श्रेणी में ऑस्कर पुरस्कार भी मिला था। वह इन दिनों महेश बाबू के साथ अपनी अगली फिल्म को लेकर व्यस्त चल रहे हैं। फिलहाल फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम तेजी से चल रहा है। अब फिल्म की शूटिंग को लेकर खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजामौली इस साल अगस्त के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। इस बीच तब तक महेश बाबू फिल्म के अपने हिस्से की तैयारी करेंगे।

पृथ्वीराज सुकुमारन से संपर्क करने की है चर्चा बीते कुछ समय में फिल्म से जुड़ी कई जानकारियां सामने आईं। कुछ रिपोर्टस में बताया गया कि राजामौली ने फिल्म को लेकर कुछ बड़े सितारों से भी मुलाकात की है। उनमें से कुछ को अपने साथ जोड़ भी लिया है। बीते दिनों एक रिपोर्ट में कहा गया था कि फिल्म के लिए पृथ्वीराज सुकुमारन से संपर्क किया गया था, जिसके लिए अभिनेता ने हामी भी भर दी है। हालांकि, इस पर मेकर्स ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में खुद राजामौली इसके बारे में और जानकारी दे सकते हैं।

गुंटुर कारम में नजर आए थे महेशबाबू फिल्म को लेकर कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि फिल्म में अभिनेता महेश बाबू का लुक अब तक के उनके गेटअप से बिल्कुल अलग होने वाला है। हाल में ही खबर आई थी कि उन्हें सार्वजनिक जगहों पर जाने से बचने की सलाह दी गई है। फिल्म के मेकर्स उनके लुक को फिलहाल छिपा कर रखना चाहते हैं। फिल्म की शूटिंग से लेकर फर्स्ट लुक जारी होने तक उन्हें सार्वजनिक उपस्थिति वाले कार्यक्रमों से बचना होगा। बताते चलें कि महेश बाबू हाल में ही फिल्म गुंटुर कारम में नजर आए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत यादा कमाल नहीं दिखा सकी थी।

शुभमन गिल के साथ शादी के बंधन में बंधेंगी रिद्धिमा पंडित?

अभिनेत्री ने किया सच का खुलासा

टीवी अभिनेत्री रिद्धिमा पंडित इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। खबरें आ रही हैं कि वह क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ शादी करने वाली हैं। अब इन खबरों पर रिद्धिमा पंडित ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने ये साफ कर दिया है कि इन दावों में कोई सचाई नहीं है। वह क्रिकेटर के साथ शादी नहीं कर रही हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि रिद्धिमा दिसंबर 2024 में शुभमन गिल के साथ शादी के बंधन में बंध जाएंगी। मगर अब उन्होंन इन खबरों को खारिज कर दिया है।रिद्धिमा पंडित ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर कहा, मुझे कई पत्रकारों के फोन हो रहे, जो मेरी शादी के बारे में पूछ रहे थे। मगर मैं शादी नहीं कर रही हूं और अगर मेरे जीवन में ऐसा कुछ महत्वपूर्ण हो रहा है, तो मैं खुद सामने आकर इस खबर की घोषणा करूंगी। फिलहाल इस खबर में कोई सचाई नहीं है।अभिनेत्री को बहू हमारी रजनीकांत और खतरा खतरा खतरा जैसे टेलीविजन शोज के लिए जाना जाता है। वह बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन में भी नजर आ चुकी हैं। रिद्धिमा

पंडित सोशल मीडियी पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ तस्वीरें साझा करती रहती हैं। बीते दिनों एक बातचीत में उन्होंने टेलीविजन सेट पर दुर्व्यवहार के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था, यह दुखद है कि टेलीविजन सेट पर कोई भी दुर्व्यवहार के बारे में बात नहीं करता है। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया था।

मगर एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि उनके शो के एक कार्यकारी निर्माता ने उन्हें अस्पताल में उनकी बीमार मां से नहीं मिलने दिया था।रिद्धिमा ने कहा, यह सच है कि कोई भी इसके बारे में बात नहीं करता। मेरे एक शो में, निर्माता अछे थे लेकिन ईपी मुझे मानसिक रूप से परेशान करते थे। उसी दौरान मुझे पता चला कि मेरी मां की तबीयत खराब है। उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था। उन्हें जिस दिन उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था, उस दिन उनसे मिलने का समय सुबह 7 से 8 बजे और शाम 4 से 5:30 बजे था। मैंने उनसे कहा कि मुझे सुबह 9 बजे की शिफ्ट में रखें ताकि मैं अपनी मां से मिल सकूं और फिर शूटिंग के लिए आ सकूं। मगर वो चाहते थे कि मैं सुबह 7 बजे शूटिंग करूं।

मां के साथ डिनर करने रेस्टोरेंट पहुंचीं दीपिका पादुकोण, चेहरे पर दिखा प्रेग्नेंसी ग्लो

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह जल्द ही मां-बाप बनने वाले हैं। उनके घर नन्हे मेहमान की किलकारी गूंजने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रणवीर सिंह अनंत राधिका की प्री-वेडिंग बैश में शिरकत करने इटली पहुंचे हैं। वहीं, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण शुक्रवार की रात अपनी मां उज्जला पादुकोण के साथ बांद्रा के एक रेस्टोरेंट में स्पॉट हुईं। अभिनेत्री ने अपनी मां के साथ डिनर का आनंद उठाया। दीपिका रेस्टोरेंट में है इसकी भनक लगते ही हमेशा की तरह पैपराजी वहां पहुंच गए और अभिनेत्री को कैमरे में कैद किया। बीती रात अभिनेत्री को बांद्रा के एक रेस्टोरेंट से बाहर निकलते हुए स्पॉट किया गया। इस दौरान उनके साथ उनकी मां भी नजर आईं। दीपिका के साथ एक छोटी बच्ची को भी देखा गया। रेस्टोरेंट से बाहर निकलते हुए उनका बेबी

बंप साफ-साफ दिखाई दे रहा है। बाहर निकलते हुए अभिनेत्री बहुत ही सावधानी से चल रही थीं।

वह हल्के-हल्के कदमों से अपनी कार की ओर बढ़ रही थीं। इस दौरान 'सिंघम अगेन' की अभिनेत्री काले रंग की ड्रेस और डेनिम जैकेट पहने हुए नजर आईं। सोशल मीडिया पर उनकी वीडियो और फोटो सामने आते ही उनके प्रशंसक उन पर प्यार लूटाने लगे और अभिनेत्री की खूबसूरती की जमकर तारीफ की। वीडियो के सोशल मीडिया पर आते ही दीपिका के प्रशंसकों की नजर से उनकी प्रेग्नेंसी ग्लो छिप नहीं पाई। उनके प्रशंसकों ने उनके प्रेग्नेंसी ग्लो को लेकर उनकी तारीफ की और उन्हें पहले से ज्यादा खूबसूरत बताया। बता दें कि कुछ दिनों पहले दीपिका पादुकोण ने पीले रंग के ड्रेस में अपनी कुछ तस्वीरें साझा की थी।

संजू बाबा की मां ने बॉलीवुड से राजनीति तक बिखेरा जलवा, नरगिस के बारे में दिलचस्प किस्से

बॉलीवुड की खूबसूरत और मशहूर अदाकारा नरगिस दत्त का आज जन्मदिन है। नरगिस ने बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। चाहे मदर इंडिया हो या तलाश-ए-हक उनकी हर फिल्म आज भी सिनेप्रेमियों की पसंदीदा फिल्मों की लिस्ट में शामिल है। चलिए आज आपको नरगिस दत्त के जन्मदिन पर उनसे जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें बताते हैं। नरगिस दत्त बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक थीं। उन्होंने राज कपूर के साथ कई हिट फिल्में दी हैं। आज भी बॉलीवुड क्लासिक की बात होती है तो राजकपूर की आवारा, आग और बरसात जैसी फिल्मों का नाम

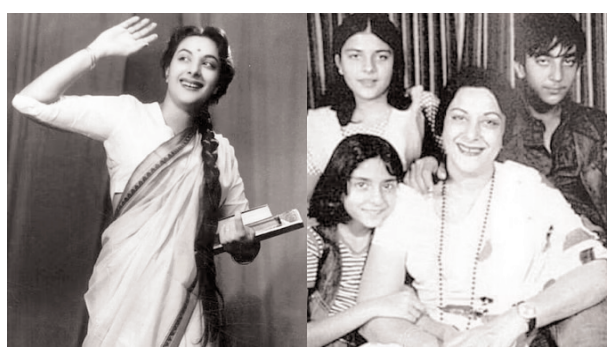

दर्शक जरूर लेते हैं। नरगिस और राज कपूर के बीच में एक अलग केमिस्ट्री थी। नरगिस दत्त की फिल्मों की बात अक्रें और मदर इंडिया की बात न हो तो बात अधूरी रह जाएगी। इस फिल्म में युवा नरगिस ने सुनील दत्त और राजेन्द्र कुमार की मां का किरदार निभाया था। मदर इंडिया को देखकर कोई भी नहीं कह सकता कि उस बुजर्ग महिला के रोल में एक 28 साल की युवती है। आज भी मदर इंडिया की गिनती बॉलीवुड के बेहतरीन फिल्मों में होती है। नरगिस दत्त की निजी जिंदगी की बात करें तो ऐसा अक्सर सुनने में आता है कि राजकपूर नरगिस को देखते ही अपना दिल हार बैठे थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म बॉबी के ओपनिंग दृश्य जैसे डिंपल कपाड़िया दरवाजा खोलती हैं और उनके बालों में आटा लगा होता है, वे भी जब नरगिस से मिले थे तो अभिनेत्री कुछ उसी अंदाज में उनसे मिली थीं। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित नरगिस अभिनेता सुनील दत्त के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं। वे बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता संजय दत्त की मां थीं। संजू बाबा आज भी अपनी मां को याद करते हुए अपने इंस्टाग्राम

किस ऑफ द कॉन क्वीन का ट्रेलर हुआ जारी घोटालेबाज की भूमिका में दिखे रवि पटेल

अभिनेता रवि पटेल स्टारर फिल्म किस ऑफ द कॉन क्वीन का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर लोगों का उत्साह बढ़ा दिया है। ये फिल्म आरोपी धोखेबाज हरगोबिंद ताहिलरमानी के जीवन से प्रेरित है। रवि पटेल फिल्म में अहम भूमिका में नजर आएंगे। टॉम वालर के निर्देशन में बनी ये फिल्म आयरिश लेखक और अभिनेता इयोन ओब्रायन और ताहिलरमानी के साथ उनके अनुभवों की सची कहानी पर आधारित है। इयोन ओब्रायन और पैट्रिक बर्गिन भी इसमें मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। टॉम ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, जब इयोन ओब्रायन ने मुझे स्क्रिप्ट भेजी, तो मुझे पता था कि यह मेरी अगली फिल्म होगी। यह शुरू से लेकर अंत तक एक ऐसा पेज-टर्नर था, जो भावनाओं का एक वास्तविक रोलरकोस्टर था।वालर ने कहा, फैक्ट यह है कि इयोन खुद इस कठिन परीक्षा से गुजर चुके थे। उन्होंने इसे और भी अधिक आकर्षक बना दिया और साबित किया कि जीवन वास्तव में कल्पना से भी अधिक अजीब हो सकता है। अपनी इस नई फिल्म को लेकर टॉम वालर बेहद उत्सुक हैं। ये फिल्म हाई-प्रोफाइल धोखाधड़ी योजना पर बनी है। फिल्म के ट्रेलर बेहद ही दिलचस्प है।

देर रात कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन औचक निरीक्षण करने पहुंचे थाने

थाने में मौजूद दस्तावेजों की जांच कर दिशानिर्देश दिए

सुनील यादव । सिटी चीफ।
कटनी, कटनी के एन के जे थाने में देर रात्रि कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन कटनी सीएसपी के साथ औचक निरीक्षण करने पहुंचे जहा उन्होंने घंटो थाने में मौजूद सभी दस्तावेजों की जांच की ओर दिशानिर्देश दिए। वही कई दिनों ने एन के जे थाने से तीन आरोपियों के भागने की खबर सुर्खियों में है उस मामले में भी कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने जांच की। टनी एसपी

अभिजीत रंजन ने बताया की वह देर रात्रि एन के जे थाने औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे और थाने में मौजूद सभी सीसीटीवी कैमरे और थाने में मौजूद सभी दस्तावेजों की जांच की गई वही पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल की कुछ दिनों से एन के जे थाने से तीन आरोपियों की खबरे सुर्खी बनी हुई है..इस मामले में अभिजीत राजन ने बताया की इस मामले में एडिशनल एसपी और सीएसपी जांच कर रहे है और जल्द ही इस मामले में सच्चाई सामने आ जाएगी।

कटनी जिला कलेकटर ने लिया मतगणना स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा

मौजूद कर्मचारियों और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, कटनी के जिला प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों समेत जिले के कलेक्टर ने लोकसभा चुनावों की मतगणना के मद्देनजर मतगणना स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला प्रशासन के अधिकारी कृषि उपज मंडी पहुंचकर वहां बने स्ट्रॉन्ग रूम की व्यवस्थाओं को देखा। साथ ही मौजूद कर्मचारियों से मतगणना को लेकर बात की। हाल ही में संपन्न लोकसभा निर्वाचन के चुनावों की मतगणना 4 जून को होनी है। इसी सिलसिले में कृषि उपज मंडी पहुंचकर जिला कलेक्टर ने व्यवस्थाओं की जांच की। मतगणना के बेहतर संचालन और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए वहां मौजूद कर्मचारियों और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। डाकमत पत्रों की गणना के साथ मतगणना की

शुरूआत होगी। इसके बाद ईवीएम मशीनों की गिनतीश शुरू की जाएगी। कृषि उपज मंडी पहरूआ के परिसर में बने जिले के तीन विधानसभा खजुराहो लोकसभा में आती है वही एक विधानसभा बड़वारा शहडोल लोकसभा में आती है इस सभी के स्ट्रॉन्ग रूम कड़ी त्रि-स्तरीय सुरक्षा निगरानी में है। स्ट्रॉन्ग रूम में लगे सीसीटीवी कैमरे चौबीसों घंटे सक्रिय हैं और उम्मीदवार और उनके अभिकर्ता स्वयं इसे एलईडी टीवी स्क्रीन पर देख रहे हैं। स्ट्रॉन्ग रूम में कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश ना कर सके इसलिए स्ट्रॉन्ग रूम के चारों तरफ सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। यहां सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज सहित अन्य सुरक्षा बलों की त्रि-स्तरीय सुरक्षा इंतजाम है। अलग-अलग समय पर विधानसभा क्षेत्रों मुड़वारा, बड़वारा, विजयराघवगढ, और बहोरीबंद के रिटर्निंग अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारी भी यहां पहुंच कर मौका मुआयना कर रहे है।

कटनी के रचना नगर में एक चड्डी गैंग ने एक घर से उड़ाया

पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू करि जांच

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, कटनी जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र बस स्टैंड पुलिस चौकी के रचना नगर निवासी राजकुमार अग्रवाल अपने पूरे परिवार के साथ बाहर गए हुए थे जिसका फायदा उठाते हुए सुने घर में कुछ अज्ञात चोर अंधेरे का फायदा उठा उनके घर में घुसे और घर में रखे सोने चांदी के जेवर सहित कितमति समान और एक मोटर साइकल लेकर फरार हो गए है इस पूरे वारदात का वीडियो सीसीटीवी के कैमरे में कैद हुई है जिस वीडियो के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है और बहुत जल्द ही चोर पुलिस की हिरासत में होंगे।

खारा पावर हाउस पर शिवालिक जंगल में लगी भयंकर आग

दमकल विभाग आग पर काबू पाने में जुटा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, बढ़ते तापमान, भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण जहां आमजन परेशान है वही दूसरी और अब शिवालिक पहाड़ियों में भी इस गर्मी का असर दिखाना शुरू हो गया है। जहां तहसील बेहट इलाके की शिवालिक पहाड़ियों में लगी आग लगातार बढ़ती ही जा रही है। वहीं आग का तांडव दिनभर जारी रहा। शिवालिक पहाड़ियों में आग लगने की खबर के बाद से ही स्थानीय पुलिस और दमकम विभाग की टीम आग बुझाने के प्रयास में जुटी हुई है।सहारनपुर में बढ़ते तापमान के कारण हो रही भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप से लोगो का जीना दुभर होता जा रहा हैं। वहीं इन सबके बीच शिवालिक जंगल भी इस गर्मी की चपेट में आया। मिर्जापुर थाना क्षेत्र के खारा पावर हाउस पर शिवालिक जंगल में अचानक से लगी आग ने जंगल को भी अपनी

चपेट में ले लिया है। जिसके बाद सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़िया मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की। वहीं मिर्जापुर थाना प्रभारी मनोज चौधरी भी भारी पुलिस बल के साथ आए और दमकल विभाग के कर्मचारियों के साथ मिलकर शिवालिक जंगल में लग रही भयंकर आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगे। जिसके बाद मनोज चौधरी ने बताया कि आग पर कुछ हद तक काबू पा लिया हैं वहीं आग को पूरी तरह बुझाने का प्रयास किया जा रहा हैं। अगर जरूरत पड़ी तो फायर ब्रिगेड की और गाड़ियों को मौके पर बुलाया जा सकता है। सीओ बेहट शशि प्रकाश शर्मा भी पुलिस बल के साथ मौके पर है।

दमोह के पथरिया में शासकीय माध्यमिक शाला सतौआ में मनोरंजक समर कैंप का किया गया आयोजन...

प्राथमिक शाला के बच्चों से लेकर कॉलेज के छात्र छात्राओं ने भी भाग लिया

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ।
दमोह, पथरिया विकास खंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम सतौआ के माध्यमिक शाला में प्रतिवर्ष मनोरंजन समर कैंप का आयोजन किया जाता है इस वर्ष भी 10 दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया. शाला प्रभारी मोहन सिंह ने अपने विद्यालय में इस वर्ष अजीम प्रेमजी फाउंडेशन संस्था से डॉ गीतेश मैडम के सहयोग और मार्गदर्शन में समर कैंप लगाया. जिसमें बच्चों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिला कैंप में प्राथमिक शाला के बच्चों से लेकर कॉलेज के छात्र छात्राओं ने भी भाग लिया और शिक्षकों का

सहयोग भी किया. इस भीषण गर्मी में बच्चों ने सुबह 07 बजे 11 बजे तक उत्साह और उमंग के साथ योगा व्यायाम किया, लीफ पेंटिंग, कोलाज पेंटिंग, विभिन्न खेलों के माध्यम से बहुत कुछ सीखा. समर कैंप 21 मई से 30 मई 2024 तक आयोजित किया गया. समर कैंप के समापन अंतिम दिवस में बच्चों द्वारा बाल मेला का आयोजन किया जिसमे बच्चों ने विभिन्न दुकाने लगाकर हिसाब किताब करना सीखा रूपए पैसों के बारे में जाना, बच्चों द्वारा स्वरचित कहानी, कविताओं का लेखन और वचन किया साथ ही अपने दस दिन के कैंप के अनुभव लिखित व मौखिक रूप से शेयर किये. विद्यालय का वातावरण स्वच्छ व इस प्रकार आनंद दायक बनाया गया है कि बच्चों को घर जाने का मन ही नहीं करता. बच्चों को कैंप में प्रतिदिन नाश्ता और शीतल पेय की व्यवस्था की गई और साथ ही फर्स्ट एड बॉक्स भी उपलब्ध कराया गया । इसी दौरान किशोरी बालक, बालिकाओं को स्वस्थ के प्रति स्वास्थ्य विभाग से ANM द्वारा बच्चों, बच्चियों और माताओं को प्रेरित किया गया ।एक तरफ जहाँ बच्चे गर्मियों में छुटियां मनाने अपने रिश्तेदारों के यहाँ चले जाते है वहीं ग्राम सतौआ के बच्चे समर कैंप का बेसबरी से इंतजार करते है. शाला प्रभारी मोहन सिंह ने बताया कि हमारा विद्यालय 12 महीने संचालित रहता है चाहे ग्रीष्म कालीन अवकाश हो या रविवार. यहाँ रविवार को स्पेशल संडे क्लास भी संचालित की जाती है और बच्चे लगभग पूरे उपस्थित रहते है. बच्चों को गतिविधि आधारित अध्ययन अध्यापन भी कराया जाता है. कैंप में अन्य विद्यालय के शिक्षक भी अपनी सहभागिता प्रदान करते रहे है. जैसे प्राथमिक शाला सतौआ से प्रहलाद सिंह, प्राथमिक शाला शाहपुर से दीपक मिश्रा और प्राथ. शाला देवरान टपरियन से श्रीमती शीला पटेल भी कैंप में अपनी सहभागिता प्रदान करते रहे हैं। यह विद्यालय किसी निजी विद्यालय से कम नहीं है। यहाँ बच्चों को हर प्रकार की सुविधाएँ शिक्षक मोहन सिंह ठाकुर द्वारा उपलब्ध कराई जाती हैं। शाला भवन सर्वसुविधा युक्त है जहाँ बच्चे यहाँ के परिवेश से भी बहुत कुछ सिखाते हैं।

नौरादेही बिस्तापन संघर्ष समिति द्वारा श्रीं मान कलेक्टर महोदय को माननीय उच्च न्यायालय के पारित यथास्थिति आदेश को सौंपा

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।
दमोह, मध्यप्रदेश राजपत्र प्राधिकार 20 सितंबर 2023 में नौरादेही (वन्य प्राणी) अभ्यारण्य को रानी दुर्गावती टाईगर रिजर्व बनायें जानें पर चार पंचायत संलग्न 12 ग्रामों को कोर जोन क्षेत्र में शामिल किया गया और निम्न मूलभूत सुविधाओं को प्रतिबंधित किया गया तब चार पंचायत संलग्न ग्राम मुखियाओं ने राजपत्र का विरोध भी किया गया। फिर भी 20 सितंबर 2023 प्रकाशित कर दिया गया । जिसके संबंध में 10 ग्रामों की ग्राम सभा से पारित प्रस्ताव प्रक्रिया की किसी भी प्रकार की कार्यवाही तक नहीं की गई न ही किसी भी प्रकार की राजपत्रित की जानकारी नहीं दी गई। और 2 ग्रामों से ग्राम सभा प्रक्रिया की कार्यवाही 16/08/2022 प्रस्तावित की गई। लिए गए प्रस्ताव में स्पष्ट लेख पाया गया। आगामी बर्षों में जब नौरादेही (वन्य प्राणी) अभ्यारण्य को टाईगर रिजर्व घोषित किया जाता

है तो ग्राम सर्रा, भैंसा बाफर क्षेत्र में आयेगा। जिसमें पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार की संभावना बढ़ेगी। तब ग्राम बाफर ज़ोन में शामिल किये जायेंगे। पशुओं को चरने हेतु कुछ वन क्षेत्र आवंटित किया जायेगा। पशु हानि,पशु घायल, जन घायल होने पर मुआवजा राशि प्रदान की जायेगी। परन्तु विपरित कार्य किया गया है । जों कि गेम परिक्षेत्र रेंज सर्रा के पत्र क्रमांक 1157 दिनांक 18/10/2023 के संलग्न प्राप्त प्रस्ताव सर्रा, भैंसा पारित में आप भी देखें । कि कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तेंदूखेड़ा जिला दमोह दिनांक 27/09/2023 एंव 25/09/2023 में उल्लेखित शासकीय मूलभूत योजनाओं पर लगी रोक को शीघ्र हटाए। एवं समस्त क्षेत्र वासी निवेदन करते हैं। कि यथावत बाफर ज़ोन क्षेत्र में घोषित करते हुए इन ग्रामों के विस्थापन प्राक्रिया पर हमेशा के लिए रोक लगाई जाए। जिसके संबंध में आवेदन दिनांक 20/12/2023 के बिन्दु उल्लेखित पर धरना वापिस 22/12/2023 के तत्संबंधी आवेदन जनसुनवाई 30/01/2024 आपकी ओर प्रस्तुत के संलग्न माननीय उच्च न्यायालय के यथास्थिति आदेश पर । माननीय उच्च न्यायालय की शरण में रिट पिटीशन क्रमांक 8691/2024 मे पारित आदेश दिनांक 30/04/2024 एवं रिट पिटीशन क्रमांक 26110/2023 में पारित आदेश 01/11/2023 में यथास्थिति आदेश दिया गया है। जिसमें ग्रामीणों की जमीनी हक सुरक्षित कियें गयें है। आप भी देखें। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश होने के बाबजूद भी इस क्षेत्र के कृषि कार्य के सुधार कार्य जैसे कुआं निर्माण, खेत समतीकरण हेतु मिट्टी इधर-उधर कर मेड़ बनाना एवं कुछ लोगों के स्थान में बर्षा दौरान पानी भरता है जिसे आवश्यकतानुसार मिट्टी उठाने पर वन विभाग द्वारा आपत्ति जताई जाती है। और एन ओ सी से अनुमति लेने की बात कहीं जातीं। इन कृषि कार्य संबंधी कार्यों को करने दिया जाए जिसकी अनुमति प्रदान करें । जिससे माननीय उच्च न्यायालय के आदेश का पालन हो सकें अत: विस्थापन संघर्ष समिति सदस्य विनम्र निवेदन प्रस्तुत करते हैं कि यथास्थिति आदेश पर यथावत हमारे क्षेत्र की उपरोक्त लेख संलग्न सुविधाओं को चालू करवानें का आग्रह किया गया।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

खेल एवं युवा कल्याण विभाग दमोह द्वारा किया गया था आयोजित

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।
दमोह, खेल एवं युवा कल्याण विभाग दमोह द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर वर्ष 2024 का समापन हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान सिविल वार्ड स्टेडियम में किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि ''बच्चों को कम से कम एक खेल अपनी दिनचर्या में अवश्य शामिल करना चाहिए, जिससे बच्चों का बौद्धिक एवं शारीरिक विकास हो सके, बच्चे खेलों में पूरे समर्पण के साथ रूचि लेते है एवं नियमित अभ्यास करें तो वे उस खेल में अपने जिले, राज्य तथा देश का प्रतिनिधित्व भी कर सकते है वर्तमान में खिलाड़ियों के लिए खेलों में कई संभावनाएं, सुविधाएं एवं अवसर

उपलब्ध है जिससे वे खेलों में अपना भविष्य बना सकते हैं।'' हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. डी.एम. संगतानी ने कहा कि ''बच्चे प्रतिदिन अपनी रूचि अनुसार खेल खेलते है तो वे मानसिक तनाव से दूर रहेंगे जिससे उनको रात में अच्छी नींद आएगी जिससे वे हमेशा स्वस्थ्य रहेंगे।'' ग्रीष्?म कालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन एक माह तक शहर के विभिन्न खेल मैदानों पर किया गया, जिसमें हॉकी, व्हालीबाल, हैण्डबाल, फुटबाल, खो-खो, कबड्डी, बास्केटबाल, कराते, आर्चरी आदि खेल आयोजित किए गए तथा जिले के अन्य 06 विकासखण्डों में भी ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। विकासखण्ड एवं जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में कुल 1500 बालक- बालिकाओं ने विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सहारनपुर में डीएम ने लू से बचाव हेतु जारी की एडवाईजरी

जारी की एडवाईजरी में बताया, क्या करना है, क्या नहीं!

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण डा0 दिनेश चन्द्र ने जनपद में गर्म हवा लू के संबंध में सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत लू से बचाव हेतु एडवाईजरी जारी की है।
क्या करें :- जारी एडवाईजरी के अनुसार गर्म हवा स्थिति जानने के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र स्थानीय मौसम पूर्वानुमान की जानकारी लेते रहें। साफ पानी ज्यादा पियें ताकि शरीर में पानी की कमी से होने वाली बीमारी से बचा जा सा सके। हल्के, ढीले-ढाले सूती वस्त्र पहनें ताकि शरीर तक हवा पंहुचे और पसीनें को सोख कर शरीर को ठंडा रखें। धूप में बारह जाने से बचें, अगर बहुत जरूरी हो तो धूप के चश्में, छाता, टोपी एवं जूते या चप्पल पहनकर ही घर से निकलें। यात्रा करते समय

अपने साथ बोतल में पानी जरूर रखें। गर्मी के दिनों में ओआरएस का घोल पियें। अन्य घरेलू पेय जैसे नींबू पानी, कच्चे आम का पान, लस्सी आदि का प्रयोग करें जिससे शरीर में पानी की कमी न हो। लू लगने के लक्षणों को पहचाने, यदि कमजोरी लगे, सिर दर्द हो, उल्टी महसूस हो, तेज पसीना और झटका जैसा महसूस हो, चक्कर आए तो तुरन्त चिकित्कीय परामर्श लें। पशुओं को छायादार स्थान में रखें, उन्हें पीने के लिए पर्याप्त मात्रा में साफ पानी दें। अपने घर को ठंडा रखें, घर को ढककर या पेन्ट लगाकर 3-4 डिग्री तक ठण्डा रखा जा सकता है। कार्यस्थल पर पीने के साफ पानी की समुचित व्यवस्था रखें।
क्या न करें-धूप में खडे वाहनों में बच्चों एवं पालतू जानवरों को न छोडें। दिन के 11 बजे से 03 बजे के बीच यदि सम्भव हो तो बाहर न निकलें। गहरे रंग के भारी एवं तंग वस्त्र पहनने से बचें। खाना बनाते समय कमरे के दरवाजे, खिडकी खुले रखें जिससे हवा का आना जाना बना रहे। नशीले पदार्थ, शराब तथा अल्कोहल के सेवन से बचें। उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचे तथा बासी भोजन न करें।

श्री गांधी वैदिक इंटर कालेज की प्रबंध समिति के चुनाव में प्रबंधक पद पर निर्वाचित हुए

अशोक कुमार 68 मत प्राप्त कर अपने प्रतिद्वंदी जोगेंद्र कुमार को 27 मतों से पराजित किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर । देवबंद, देवबंद क्षेत्र के गांव चंदेना कोली स्थित श्री गांधी वैदिक इंटर कालेज की प्रबंध समिति का चुनाव कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुआ। इस दौरान प्रबंधक पद पर अशोक कुमार ने 68 मत प्राप्त कर अपने प्रतिद्वंदी जोगेंद्र कुमार को 27 मतों से पराजित किया। अशोक कुमार विद्यालय प्रबंध समिति के चुनाव में चौथी बार अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए है। चुनाव अधिकारी मिश्रा और पर्यवेक्षक संपदा की देखरेख में

चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। चुनाव अधिकारी ने बताया कि विद्यालय समिति के कुल 119 मतदाता थे। इनमें से 4 मतदाताओं की मृत्यु हो जाने के चलते 115 मतदाताओं में से 109 ने मतदान में भाग लिया। उन्होंने बताया कि 12 पदों के लिए हुए चुनाव 11 पदों पर निर्विरोध पदाधिकारी और सदस्य चुने गए। सिर्फ प्रबंधक पद पर दो पर्चे भरे गए थे जिसके लिए चुनाव कराया गया। उन्होंने बताया कि गठित समिति में डा. ओमकुमार अध्यक्ष, यशपाल सिंह उपाध्यक्ष, अशोक कुमार प्रबंधक, डा. पितांबर मोहन उप प्रबंधक व ओपिन कुमार को कोषाध्यक्ष घोषित किया गया। जबकि गौरव, नंदकिशोर शर्मा, रामकुमार, संजय, सत्यवीर, सतवीर उर्फ बबली औरअनिल सदस्य पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

सहारनपुर में 95 लाख रूपए की ठगी

14 के खिलाफ रिपोर्ट

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के नकुड़ तहसील के टिडोली गांव में 35 बीघा जमीन के सौदे में साझेदारी करने के प्रकरण में 95 लाख रूपए की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक नोएडा के सेक्टर-44 निवासी वीर सिंह चौहान पुत्र विशंभर सिंह चौहान ने नकुड़ कोतवाली में 14 लोगों के खिलाफ 95 लाख रूपए ठगे जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस उपाधीक्षक एसएन वैभव ने बताया कि अनिकेत, संजय मेहरा निवासी हरिद्वार, एके सहगल निवासी सहारनपुर, आलिम कोसर, नौशाद, इम्तियाज, सद्दाम, मुसांद निवासी गांव टिडोली, मुकेश निवासी बड़ोदरा, गुजरात, संजय मेहरा की पत्नी शीनू, और मंसूर निवासी सहारनपुर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। वीर सिंह चौहान को पता चला कि इन लोगों ने गुजरात के बड़ौदरा निवासी मुकेश को बेच दी है। वीर सिंह ने जब मुकेश से बातचीत की तो उसने उसे 2 लाख 80 हजार रूपए प्रति बीघा रेट तय किया। अपने पचास लाख रूपए नकद और दस-दस लाख के चैक मुकेश एल बेहलानी को दे दिए। इसी दौरान साझेदारी की बात करने वाले दो लोग उसके पास आए और बोले के बेहलानी ने 15 लाख रूपए नकद मंगवाए हैं जो बाद में हिसाब में जोड़ लिए जाएंगे। इस तरह से वीर सिंह और मुकेश बेहलानी के बीच जमीन का एग्रीमेंट हो गया। जिसमें 80 लाख रूपए की धनराशि लिखी गई। इसके बावजूद उसे जमीन नहीं मिली और वीर सिंह ने इन सभी 14 लोगों को नामजद करते हुए धोखाधड़ी के मामले में मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस मामले की जांच में लगी है।

लोकसभा चुनाव की मतगणना में सबसे पहले 3122 मतपत्र गिने जाएंगे

चार जून को करीब चार बजे तक पता चल जाएगा कौन बनेगा सहारनपुर का सांसद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, पहले नंबर की लोकसभा सीट सहारनपुर की मतगणना में तीन दिन बाकी हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि चार जून को वेयर हाउस में मतगणना की जाएगी। सबसे पहले 3122 बेलेट पेपर की गिनती की जाएगी उसके बाद ईवीएम वाली गिनती की जाएगी। आठ बजे मतगणना शुरू होगी। दस बजे के करीब रूझान मिलने शुरू हो जाएंगे। 3122 बेलेट पेपर में 1234 बेलेट पेपर सर्विस वालों के हैं।85 वोट दिव्यांगों के हैं। सहारनपुर लोकसभा सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा उम्मीदवार राघव लखनपाल शर्मा और कांग्रेस उम्मीदवार इमरान मसूद के बीच है। सहारनपुर में कैराना लोकसभा के तहत आने वाली गंगोह और नकुड़ विधानसभा की भी मतगणना होगी। कैराना की तीन विधानसभा थानाभवन, शामली और कैराना की मतगणना शामली में होगी। यहां मुख्य मुकाबला भाजपा सांसद प्रदीप चौधरी और कांग्रेस समर्थित सपा उम्मीदवार इकरा हसन के बीच है। उप निर्वाचन अधिकारी डा. अर्चना द्विवेदी ने आज बताया कि मतगणना होल में मोबाइल, आईपेड़, लैपटाप, माचिस एवं शस्त्र आदि ले जाने की अनुमति नहीं होगी। विधानसभावार बूथ और राउंड की स्थिति इस प्रकार होगी। बेहट में 397 बूथ की मतगणना 29 चक्रों में होगी। नकुड़ के 386 बूथ की मतगणना 28 चक्रों में होगी। सहारनपुर नगर के 454 बूथ की मतगणना 33 चक्र में होगी। सहारनपुर देहात की 379 बूथ की मतगणना 28 चक्रों में होगी। देवबंद के 365 बूथ की गणना 27 चक्रों में होगी। रामपुर मनिहारान 331 बूथ की मतगणना 24 चक्र में होगी और गंगोह के 396 बूथ की मतगणना 29 चक्रों में होगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मतगणना के लिए 14- 14 मेजें लगाई जाएंगी। एक मेज पर डाक मतपत्रों की गिनती होगी। मतगणना के लिए 392 कर्मचारी लगेंगे।

अवैध हथियारो की तस्करी करने वाले शातिर आरोपी को क्राइम ब्रांच ने दबोचा

आरोपी से जप्त की एक देशी कट्टा व दो जिंदा कारतूस कुल 10000/-
आरोपी किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में रखे थे अवैध हथियार
आरोपी के विरूद्ध धारा 25,27 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।
आरोपी के विरूद्ध पहले भी रह चुके कई अपराध पंजीबद्ध
अवैध हथियारो को खरीदने व बेचने के संबंध में पूछताछ जारी है।
शहर में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु पुलिस आयुक्त भोपाल श्री हरिनारायणाचारी मिश्र एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भोपाल श्री पंकज श्रीवास्तव द्वारा आरोपियों की धरपकड़ पर कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया ।उक्त निर्देशों के अनुक्रम में पुलिस उपायुक्त श्री अखिल पटेल एवं अति.पुलिस उपायुक्त अपराध श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान,सहायक पुलिस आयुक्त श्री मुख्तार कुरैशी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना क्राइम ब्रांच अशोक मरावी व उनकी टीम को शहर में चल रहे अवैध हथियार तस्करो की तलाश पतारसी में लगाया था ।क्राइम ब्रांच भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि महावीर मेडिकल काँलेज के पास ब्ल्ड रोड गाँधीनगर भोपाल में अरबाज शेख नाम का जो अपने पास कट्टा व कारतूस रखे है कि बाद सूचना की तस्दीक हेतु हमराह स्टाफ राहगीर गवाहन के साथ रवाना होकर महावीर मेडिकल काँलेज के पास ब्ल्ड रोड गाँधीनगर भोपाल पहुँचा जहाँ मुखबिर द्वारा बताये हुलिये का व्यक्ति खडा दिखा जो पुलिस को अपनी ओर आता देख भागने का प्रयास करने लगा जिसे हमराह स्टाफ की मदद से घेराबंदी कर पकडा नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम अरबाज शेख पिता शफीक शेख उम्र 22 साल निवासी किराये का मकान कपिल की दुकान के पास मुर्गी बाजार जहाँगीराबद भोपाल का होना बताया जिसकी तलाशी ली तो उसकी कमर में बाये तरफ एक लोहे का देशी कट्टा मिला जिसे खोलकर देखा तो चेम्बर के अंदर एक जिन्दा कारतूस लोड मिला जिसे सावधानी पूर्वक निकालकर प्रथक किया गया तथा पेंट की दाहिनी जेब से एक जिन्दा कारतूस मिला आरोपी अरबाज शेख से कट्टा व कारतूस रखने के संबंध में लायसेंस पूछा जिसने नहीं होना बताया कि । बाद आरोपी अरबाज शेख से उक्त कट्टा व कारतूस के संबंध में पूछताछ करने पर उसने स्वेच्छा से धारा 27 साक्ष्य अधिनियम का मेमोरेण्डम लेख कराते हुए उक्त कट्टा व कारतूस, मोहसिन निवासी आमवाली मस्जिद के पास जहाँगीराबद से खरीदना बताया । आरोपी का कृत्य धारा 25/27 आर्म्स एक्ट का दण्डनीय पाये जाने अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया व आरोपी को माननीय न्यायाल पेश किया गया ।

गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी-
क्र नाम पता आरोपी शैक्षणिक योग्यता व्यवसाय आपराधिक रिकार्ड01 अरबाज शेख पिता शफीक शेख उम्र 22 साल निवासी किराये का मकान कपिल की दुकान के पास मुर्गी बाजार जहाँगीराबद भोपाल 10वी केबल कनेक्शन का काम अप.क्र 18/21 धारा 307,294,34 भादवि थाना कोतवाली
अप.क्र 100/23धारा 25,27 थाना जहाँगीराबाद
अप.क्र 20/21 147,148,294,307,324,34 थाना टीलाजमालपुरा
अप.क्र 508/22 धारा 147,148,294,307,324,34 थाना ऐशबाग
अप.क्र 385/2022 धारा 294,34,506 भादवि पिपलानी
अप.क्र 629/2023 धारा 294,307,323,324,34,506 थाना टीटी नगर सराहनीय भूमिक थाना प्रभारी अशोक मरावी, उनि शिवभानू सिंह,चन्द्रमोहन मिश्रा, विश्वजीत भार्गव,प्रआर मुजफ्फर अली, प्रआर राहुल गुरू,प्रआर सुमित शाह,आर.मुकेश,आर ब्रजमोहन ब्यास, आर. महावीर, आर शादाब,आर शिवप्रताप, म.आर. संध्या शर्मा ।

अपराध नियंत्रण के लिए हमेशा अलर्ट पर रहे पुलिस : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पुलिस का एक्शन आमजन को भी पता चले, शैक्षणिक परिसरों में सुरक्षा का वातावरण हो

प्रदेश में निर्विघ्न लोकसभा निर्वाचन के लिए पुलिस की पीठ थपथपाई

पुलिस मुख्यालय में बैठक कर दिए निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आकस्मिक रूप से पुलिस मुख्यालय पहुंचकर पुलिस महानिदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने लोकसभा निर्वाचन के सभी चरणों की प्रदेश में शांतिपूर्ण ढंग से पूर्णता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पुलिस बल को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपराधों पर नियंत्रण के लिए हमेशा अलर्ट रहने को कहा। उन्होंने सख्ती और सजगता के साथ बड़े कार्यक्रमों एवं आयोजनों की दृष्टिगत आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने पर विद्यार्थियों की सुरक्षा और स्कूल-कॉलेज परिसर में सद्भाव का वातावरण बना रहे, इसके लिये हरसंभव आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। संभाग स्तर पर कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों को सौंपे गए दायित्व और भूमिका की समीक्षा की जाए। आने वाले माह में त्योहारों के दृष्टिगत आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

सतत निरीक्षण करें अधिकारी
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अपने कार्यक्षेत्र में रात्रि विश्राम के साथ ही सतत निरीक्षण भी करें और कानून-व्यवस्था की दृष्टि से आदर्श स्थिति बनाये रखने के लिये चिंता करते हुए अधीनस्थ अधिकारियों और पुलिस बल से संवाद करते रहें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हाल ही में अशोकनगर में कुछ आपराधिक तत्वों द्वारा शस्त्र लहराने की घटना के संदर्भ में कहा कि अपराधियों में पुलिस का खौफ होना चाहिए। अवैधानिक कार्य में साथ देने वाले परिवार के व्यक्तियों के विरुद्ध भी कार्रवाई कर अपराधों पर अंकुश लगाया जाये। स्क्रीनिंग कर ऐसे व्यक्तियों की पृष्ठभूमि की जानकारी भी तत्काल सामने आना चाहिए। दोषियों को बिलकुल भी नहीं बख्शा जाये। पुलिस का एक्शन अविलंब होना चाहिए। वरिष्ठ अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में हुए अपराधों की विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए अपराधिक घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए अधीनस्थ अमले को निरंतर सचेत और मोटिवेट करते रहना चाहिए।
गलत तथ्यों का त्वरित प्रतिवाद करें, सोशल मीडिया पर अपराध नियंत्रण की जानकारी प्रसारित करें
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान समय सोशल मी?डिया का है। आमजन को अपराध नियंत्रण की जानकारी भी निरंतर मिलना चाहिए। अपराधिक घटनाओं के वीडियो प्रचारित होते हैं। साथ ही पुलिस बल द्वारा अपराध नियंत्रण के लिए की गई आवश्यक कार्रवाई को भी तत्परता से सोशल मीडिया पर प्रचारित एवं प्रसारित करना चाहिए। अक्सर पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही प्रचारित न होने से अपराधिक तत्वों के हौसले बढ़ते हैं। इस दिशा में ट्वीटर, फेसबुक और सोशल मीडिया के अन्य माध्यमों से की गई कार्यवाही की जानकारी भी नागरिकों तक पहुंचाई जाए। पुलिस मुख्यालय, जोन स्तर और जिला स्तर पर प्रतिदिन प्रेस विज्ञप्ति जारी करने की परम्परा सशक्त हो। पुलिस के एक्शन की जानकारी जन-जन तक पहुंचना चाहिए। पुलिस अधिकारियों को दी बधाई मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन-2024 में मध्यप्रदेश में चारों चरण में निर्वाचन प्रक्रिया निर्बाध रूप से सम्पन्न हुई। उन्होंने इसके लिए पुलिस बल और अन्य शासकीय सेवकों की सराहना करते हुए बधाई दी।

विभिन्न जिलों से आए 40 प्रशिक्षणरत कार्य0 निरीक्षकों को कमिश्नर प्रणाली एवं विभिन्न इकाइयों के कार्यों के सम्बंध में दिया गया प्रशिक्षण

भोपाल
पुलिस प्रशिक्षण अकादमी भौरी में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 40 प्रशिक्षणरत कार्य0 निरीक्षकों को आज दिनांक को वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एडिशनल डीसीपी मुख्यालय श्रीमती नीतू ठाकुर द्वारा आयुक्त प्रणाली की जानकारी प्रदान की गई, साथ ही प्रशिक्षण की इस कड़ी में वन स्टाफ सेंटर, जे जे बोर्ड, बाल संप्रेषण गृह एवं एसजेपीयू का भ्रमण कराते हुए समस्त इकाइयों के कार्यों के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई ADPO श्रीमती मनीषा पटेल के द्वारा नए कानून एवं पाकसो एक्ट के बारे में जानकारी प्रदान की गई ।

खुले में मांस बेचने पर चलानी कार्यवाही

बालाघाट वारासिवनी के मटन मार्केट में खुले में मांस बेचने पर नपा अमले द्वारा चलानी कार्यवाही की गई। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा लगातार खुले मांस मटन के विक्रय की समीक्षा कर सबंधित सीएमओ को दिए निर्देशो पर कार्यवाही की गई। नपा सीएमओ श्रीमती दिशा डेहरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे 5 मामलों में चलानी कार्यवाही से 3000 हजार रुपये वसूले गए है।

अस्पतालों एवं नर्सिंग होम में सुरक्षित प्रवेश एवं निकासी द्वार हो सुनिश्चित :- जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र

जनपद में संचालित अस्पताल, नर्सिंग होम्स विशेषकर बच्चों के अस्पतालो में फायर ऑडिट, इवैक्यूएशन ड्रिल व अग्नि सुरक्षा की व्यवस्थान कराएं सुनिश्चित - डीएम

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जनपद में वर्तमान में बढते तापमान के कारण सम्भावित अग्नि दुर्घटनाओं के दृष्टिगत बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने निर्देश दिए कि जनपद में संचालित अस्पताल, नर्सिंग होम्स विशेषकर बच्चों के अस्पताल, मॉल्स, रेस्टोरेन्ट, गेमिंग जोन, बैन्क्वेट हाल व भीड-भाड वाले स्थान तथा ऊँचे रिहायशी भवनों आदि में फायर ऑडिट, इवैक्यूएशन ड्रिल व अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में 06 जून तक विशेष अभियान चलाकर अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। डीएम डॉ0 दिनेश चन्द्र ने निर्देश दिए कि फायर रिस्क के अनुसार अग्नि सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाए। सुरक्षित प्रवेश एवं निकासी मार्ग सुनिश्चित किया जाए। स्थल की क्षमता से अधिक व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबन्धित किया जाए। अग्नि सुरक्षा के उपायों के संबंध में विशेष प्रचार-प्रसार किया जाए तथा रेजिडेन्ट वेलफेयर एसोसिएशन्स को विशेष रूप से सतर्क व जागरूक किया जाए। इलेक्ट्रिकल सेफ्टी के दृष्टिगत विद्युत उपकरणों एवं तारों का इलेक्ट्रिकल ऑडिट कराकर विद्युत लोड के अनुसार उपकरणों एवं तारों को अधिष्ठापित कराये जाने हेतु निर्देशित किया जाए। फायर रिस्क के दृष्टिगत निरीक्षण के दौरान मानकों में पाई गयी कमियों के संबंध में संचालकों को निर्देशित किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजीव मांगलिक, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, सिटी मजिस्ट्रेट गजेंद्र कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रताप सिंह सहित अस्पताल एवं नर्सिंग होम के संचालक और चिकित्सक उपस्थित रहे।

'पॉर्न स्टार को गुप्त तरीके से पैसे देने के मामले में ट्रंप दोषी करार

11 जुलाई को सुनाई जाएगी सजा

इंटरनेशनल डेस्क ▫ पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त तरीके से धन देने के मामले में डोनाल्ड ट्रंप कोलकारोबारी रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 आरोपों में बृहस्पतिवार को दोषी पाया गया और इसी के साथ वह किसी गंभीर अपराध के लिए दोषी ठहराए गए अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनाव प्रचार अभियान दल ने कहा कि कानून से ऊपर कोई भी नहीं है, जबकि ट्रंप ने कहा कि यह फैसला एक दोषपूर्ण राजनीतिक व्यवस्था का परिणाम है।

मैं निर्दोष हूं और अपने देश के लिए लड़ रहा हूं

ट्रंप को सजा सुनाए जाने की तिथि 11 जुलाई निर्धारित की गई है। इसके चार दिन बाद ही विस्कॉन्सिन के मिल्वौकी में 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में उन्हें पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनावों में औपचारिक रूप से पार्टी उम्मीदवार नामित किया जाना है। ट्रंप ने उनके खिलाफ फैसला सुनाए जाते ही कहा, ''यह शर्मनाक है। यह एक विवादित न्यायाधीश द्वारा की गई दोषपूर्ण, भ्रष्ट सुनवाई थी। उन्होंने कहा, ''असली फैसला पांच नवंबर को लोग सुनाएंगे। वे जानते हैं कि यहां क्या हुआ और हर कोई जानता है कि यहां क्या हुआ। उन्होंने कहा, ''मैं निर्दोष हूं। मैं अपने देश के लिए लड़ रहा हूं। मैं अपने संविधान के लिए लड़ रहा हूं। हमारे पूरे देश में इस समय धांधली हो रही है।

बाइडन प्रशासन ने जो किया वह शर्मनाक हैं

ट्रंप ने आरोप लगाया कि बाइडन प्रशासन ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसा किया है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह शर्मनाक हैं और इसके खिलाफ हम लड़ते रहेंगे। हम अंत तक लड़ेंगे और हम जीतेंगे क्योंकि हमारा देश नरक में चला गया है। बाइडन के चुनाव प्रचार अभियान ने जूरी के फैसले का स्वागत किया। 'बाइडेन-हैरिस 2024 कम्युनिकेशंस के निदेशक माइकल टायलर ने कहा, ''हमने आज न्यूयॉर्क में देखा कि कानून से ऊपर कोई भी नहीं है।

पॉर्न स्टार को धन दिए जाने का मामला 2016 का है

ट्रंप द्वारा पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को धन दिए जाने का यह मामला 2016 का है। उस समय ट्रंप के पॉर्न स्टार के साथ संबंध होने की बातें सामने आई थीं और आरोप है कि उन्होंने इसे छिपाने के लिए स्टॉर्मी को एक लाख 30 हजार डॉलर का भुगतान किया था। पूर्व राष्ट्रपति की कंपनी ने यह धन उनके वकील माइकल कोहेन को दिया था जिन्होंने ट्रंप की ओर से पॉर्न स्टार को इसका भुगतान किया।

इस्लाम विरोधी रैली में शख्स ने चाकू से लोगों पर किए ताबड़तोड़ हमले

इंटरनेशनल डेस्क▫ शुक्रवार को जर्मनी के मैनहेम में एक अज्ञात हमलावर ने चाकू से हमला कर दिया, जिसमें एक पुलिस अधिकारी समेत कई लोग घायल हो गए। इस्लाम विरोधी कार्यकर्ता माइकल स्टूरजेनबर्गर द्वारा उसी स्थान से प्रसारित लाइवस्ट्रीम में दिखाया गया कि एक बुजुर्ग व्यक्ति एक छोटी भीड़ को संबोधित करने की तैयारी कर रहा था, तभी आरोपी ने एक दक्षिणपंथी प्रदर्शन पर हमला कर दिया।

विशेष रूप से स्टूरजेनबर्गर, जो खुद को इस्लाम-आलोचक पत्रकार बताते हैं, कई दक्षिणपंथी इस्लाम विरोधी संगठनों के सदस्य रहे हैं, जिनमें क्ष्वत्लद्धुष्ठ आंदोलन भी शामिल है, जो शहरों में, खासकर पूर्वी जर्मनी में नियमित रूप से मार्च निकालता है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें एक एक पुलिसकर्मी को एक संदिग्ध व्यक्ति को करीब से गोली मारते हुए नजर आ रहा है, जबकि वह दूसरा व्यक्ति से जूझ रहा था।

हमले के बाद, जर्मन पुलिस ने कहा कि हमलावर के खिलाफ एक बन्दूक का इस्तेमाल किया गया, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने आगे कहा कि जनता के लिए कोई और खतरा नहीं है। पुलिस ने एक बयान में कहा, आपातकालीन प्रतिक्रिया दल और एक बचाव हेलीकॉप्टर घटनास्थल पर हैं। जनता के लिए कोई खतरा नहीं है। अगली सूचना तक कुर्पफाल्ज़्क्रेसेल और परेडप्लात्ज़ के बीच ट्रेन सेवा निलंबित कर दी गई है।

हमास अब इजराइल पर एक और बड़ा हमला करने में सक्षम नहीं है: बाइडेन

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को दावा किया कि हमास अब इजराइल पर बड़े पैमाने पर एक और हमला करने में सक्षम नहीं रह गया है। साथ ही उन्होंने इजराइल और हमास से आग्रह किया कि वे शेष बंधकों को रिहा कर युद्ध-विराम समझौता करें। बाइडन ने इजराइल और हमास के बीच आठ महीने से जारी युद्ध के बारे में चर्चा की। इजराइली सेना ने शुक्रवार को पुष्टि की कि अब उसकी सेना रफह के मध्य हिस्सों में हमला करने की तैयारी कर रही है। बाइडेन ने इजरायली अधिकारियों द्वारा हमास को दिए गए तीन-चरणीय समझौते के बारे में बात करते हुए कहा, यह वास्तव में एक निर्णायक क्षण है। उन्होंने कहा, इजराइल ने अपना प्रस्ताव रखा है। हमास का कहना है कि वह भी युद्ध विराम चाहता है। ऐसे में यह समझौता यह साबित करने का एक अवसर है कि क्या वे वास्तव में ऐसा चाहते हैं। इस महीने की शुरुआत में हमास और इजराइल के बीच युद्ध-विराम समझौता होने से रुक गया था क्योंकि हमास ने यह मांग की थी कि युद्ध समाप्त होने के बाद इजरायली सेना गाजा से पूरी तरह हट जाएगी और इसके बदले में हमास उनके सभी बंधकों को रिहा कर देगा, लेकिन इजरायल ने हमास की इस मांग को अस्वीकार कर दिया था।

पाकिस्तान : गर्म मौसम के कारण गैस सिलेंडर विस्फोट में 5 लोगों की मौत, 50 अन्य घायल

इंटरनेशनल डेस्क ▫ पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कथित तौर पर भीषण गर्मी के कारण एक गैस सिलेंडर में विस्फोट होने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 50 लोग घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। घटना बृहस्पतिवार को सिंध के हैदराबाद शहर में घटी जहां एक दुकान में रखे गैस सिलेंडर में भीषण गर्मी से विस्फोट हो गया। पुलिस के अनुसार, पाकिस्तान के हैदराबाद शहर में एक दुकान में रखे गैस सिलेंडर में विस्फोट से चार बचों और एक महिला की मौत हो गई और 50 लोग घायल हो गए। उसके अनुसार गंभीर रूप से घायल पांचों लोगों ने अस्पताल में उपचार के दौरान शुक्रवार को दम तोड़ दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुकान भूतल पर थी जबकि पहले और दूसरे तल पर मकान थे। उन्होंने कहा, विस्फोट के पश्चात आग ने देखते ही देखते अन्य तलों को भी अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर में विस्फोट संभवत: सिंध में जारी भीषण गर्मी के कारण हुआ जहां कुछ स्थानों पर तापमान 50 सेंटीग्रेड को पार कर गया है।

कंसास से प्रतिनिधि सभा का चुनाव लड़ रहे भारतीय मूल के अमेरिकी डॉक्टर

वाशिंगटन ▫ भारत में जन्मे अमेरिकी चिकित्सक डॉ. प्रशांत रेड्डी रिपब्लिकन पार्टी की ओर से कंसास के तीसरे 'कांग्रेसशल% जिले से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा का चुनाव लड़ रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता शैरिस डेविड्स वर्तमान में इस सीट से सांसद हैं। डेविड्स 2018 से लगातार तीन बार निर्वाचित हुए हैं। कंसास में छह अगस्त को प्राइमरी चुनाव होगा। चेन्नई में जन्मे रेड्डी को माइक जॉनसन सहित रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का समर्थन प्राप्त है। डॉ. रेड्डी ने 'पीटीआई% से कहा, ''एक प्रवासी के रूप में मैंने अमेरिकी सपने को जिया है और उस देश के लिए योगदान देने की जीवनपर्यंत कोशिश की है जिसने मुझे सब कुछ दिया है। चेन्नई में जन्मे डॉ. रेड्डी का परिवार जब कंसास आकर बसा था, तब उनकी आयु पांच साल थी।

लंदन : गोलीबारी में घायल हुई भारतीय मूल की 9 साल की लड़की, मौत से लड़ रही जंग

लंदन ▫ पूर्वी लंदन में बाइक सवारों द्वारा एक रेस्तरां पर की गई गोलीबारी में घायल नौ साल की एक लड़की अस्पताल में मौत से जंग लड़ रही है। लड़की की औपचारिक तौर पर पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन बताया जा रहा है कि वह केरल की निवासी है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि बुधवार रात को लड़की हेकनी के किंग्सलैंड हाई स्ट्रीट में रात्रिभोज के लिए एक रेस्तरां के अंदर थी, जब गोलीबारी हुई। रेस्तरां के बाहर बैठे तीन लोगों को भी गोली लगी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। 26, 37 और 42 साल के इन व्यक्तियों की हालत स्थिर बताई जा रही है, हालांकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस डिटेक्टिव चीफ सुप्रिटेंडेंट (डीसीएस) जेम्स कॉनवे ने एक बयान में कहा, परिवार के साथ रेस्तरां में बैठी नौ साल की लड़की को गोली लगी है और अस्पताल में उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हमारी संवेदनाएं लड़की और उसके परिवार के साथ हैं, और विशेषज्ञ अधिकारी उनकी मदद कर रहे हैं। इस बीच, लंदन के मलयाली समुदाय से मिली जानकारी के अनुसार लड़की का नाम लिसेल मारिया है, जो कोच्चि के मूल निवासी गोथुरुथु के विनय और अजीश की बेटी है। वे पूर्वी लंदन के एक इलाके में खाना खा रहे थे, तभी अचानक गोलीबारी हुई। माना जा रहा है कि गोलीबारी किसी गिरोह ने की।

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने पटना में किया मतदान, लोगों से की ये अपील

पटना: लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में बिहार के आठ संसदीय क्षेत्रों नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम (सु), काराकाट और जहानाबाद में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान हो रहा है। वहीं, इसी बीच राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने पटना में राजभवन के पास वाले बूथ पर वोट डाला।

राज्यपाल ने लोगों से की ये अपील

वही, मतदान के बाद राज्यपाल ने मतदाताओं से मतदान करने की अपील की और कहा कि पूरे दुनिया में अपना लोकतंत्र सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण है। दुनिया भर में इतने आधुनिक तकनीकी का प्रयोग कर मतदान केवल भारत में ही होता है। उन्होंने कहा है लोगों को अपने प्रतिनिधि को चुनना चाहिए, अपने मत का प्रयोग करना चाहिए।

बता दें कि सातवें चरण में सभी 8 लोकसभा सीट से 134 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जो अपने को भाग्य को आजमा रहे हैं। बिहार की सभी आठ लोकसभा क्षेत्र में कुल 1,62,04,594 मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे, जिनमें 85,01,620 पुरुष मतदाता हैं जबकि 77,02,559 महिला मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगी। साथ ही थर्ड जेंडर मतदाता की संख्या 415 है। इस चुनाव 18 से 19 वर्ष के नए मतदाता की संख्या 2,23,863 है। चुनाव आयोग ने सभी आठ लोकसभा क्षेत्र में कुल 16,634 मतदान केंद्र बनाए है।

कांग्रेस के एग्जिट पोल डिबेट के बहिष्कार को लेकर अमित शाह बोले

उन्हें पता है कि वो हार रहे हैं

नेशनल डेस्क▫ लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण का मतदान दिन ढलने के साथ ही खत्म हो जाएगा। इसके बाद एग्जिट पोल शुरु होगा। एग्जिट पोल को लेकर कांग्रेस ने किनारा कर लिया है। पार्टी ने बीते दिन ऐलान किया है कि वह एक जून को न्यूज चैनलों पर एग्जिट पोल से जुड़ी बहस में हिस्सा नहीं लेगी। कांग्रेस के इस फैसले पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चुटकी ली है। कांग्रेस प्रवक्ता अमित खेड़ा के बयान के मुताबिक मतदाताओं ने वोट डाल दिया है और उनका फैसला सुरक्षित है। परिणाम चार जून को आएंगे। उससे पहले हमें टीआरपी के लिए अटकलों और बहस में शामिल होने का कोई कारण नहीं दिखता। इसलिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एग्जिट पोल बहस में भाग नहीं लेगी। हम चार जून से बहस में खुशी-खुशी हिस्सा लेंगे। खेड़ा के इस बयान पर अमित शाह के बयान पर चुटकी लेते हुए कहा कि वह लोकसभा चुनाव हार जाएंगे। इसलिए वो मीडिया का सामना नहीं कर सकते और एग्जिट पोल का बायकॉट कर रहे हैं। शाह ने कहा कि जब से राहुल गांधी ने कांग्रेस की कमान संभाली है, तब से कांग्रेस डिनायल मोड में है। शाह ने कहा कि कांग्रेस को अपनी प्रचंड हार का पता चल गया है, तो अब किस मुंह से मीडिया और जनता को फेस करे? इसलिए कांग्रेस एग्जिट पोल से भाग रही है। मैं कांग्रेस पार्टी से कहना चाहता हूं कि भागो नहीं, हार का सामना करके आत्मचिंतन करो।

लोकसभा चुनाव के आखरी चरण में प्रधानमंत्री मोदी ने की मतदाताओं से अपील

कहा- अपने लोकतंत्र को और अधिक जीवंत बनाएं

नेशनल डेस्क▫ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान आरंभ होने पर लोगों से शनिवार को बड़ी संख्या में वोट डालने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स पर कहा, ''आइए, मिलकर अपने लोकतंत्र को और अधिक जीवंत बनाएं। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में आज वोटिंग होने जा रही है। इस चरण के सभी मतदाताओं से मेरा निवेदन है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। मुझे विश्वास है कि हमारे युवा और महिला मतदाता वोट डालने के लिए रिकॉर्ड संख्या में आगे आएंगे। पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सभी सीट के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड की कुछ सीट समेत देश में कुल 57 सीट पर मतदान हो रहा है।

मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी इसी चरण में मतदान हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम चरण में आज मतदान हो रहा है। इस चरण के सभी मतदाताओं से मेरा निवेदन है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। मुझे विश्वास है कि हमारे युवा और महिला मतदाता वोट डालने के लिए रिकॉर्ड संख्या में आएंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569